कार्तिक कृष्ण पक्ष सप्तमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 100 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
13 अक्टूबर 2025 सोमवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

बिहार चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनता दल को बड़ा झटका

IRCTC घोटाला आरोप तय

लालू-राबड़ी व तेजस्वी पर केस चलाने का आदेश

बिहार चुनाव से पहले आईआरसीटीसी घोटाला मामले में राउस एवेन्यू कोर्ट ने राजद सुप्रीमो लालू यादव और उनके परिवार के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। इसे बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है, जो महागठबंधन की चुनावी रणनीति पर असर डाल सकता है।

नई दिल्ली/पटना

बिहार विधानसभा में महागठबंधन के दलों के बीच सीटों के बटवारे पर फैसला होना बाकी है और इस बीच राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। आईआरसीटीसी मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने आज उनके खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। कोर्ट ने आरोप तय करते हुए कहा कि लालू की जानकारी में इस घोटाले की साजिश रची गई। उनके परिवार को इसका फायदा हुआ। राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव को बेहद कम दाम पर जमीन मिली थी।

कोर्ट ने अदालत में मौजूद लालू यादव ने कहा कि आपने रेल मंत्री रहते हुए सरकारी पद का दुरुपयोग किया। आपने अपने पद का फायदा उठाया और कुछ खास लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए टेंडर की शर्तों में हेरफेर किया गया। क्या आप आरोप स्वीकार करते हैं। इस पर लालू यादव ने कहा कि वह आरोपों को स्वीकार नहीं करते हैं। बता दें, आईआरसीटी घोटाला, लैंड फॉर जॉब घोटाले से अलग हैं। इसी अदालत में 'लैंड फॉर जॉब' मामले की भी सुनवाई चल रही है। तेजस्वी पर आरोप तय किए जाने हैं , लेकिन इस सुनवाई में लालू या तेजस्वी को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होना आवश्यक नहीं है। यह मामला लालू के रेल मंत्री रहते नौकरी के बदले जमीन लेने के आरोपों से संबंधित है।

होटल के टेंडर से जुड़ा मामला

आईआरसीटीसी घोटाला में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटा तेजस्वी यादव सहित कई लोगों पर आरोप है। ये घोटाला उस समय का है, जब लालू प्रसाद यादव 2004 से 2009 तक भारत के रेल मंत्री थे। उस दौरान आईआरसीटीसी ने दो होटलों के रखरखाव का टेंडर निकाला था। आरोप है कि टेंडर में छेड़छाड़ कर लालू यादव ने होटल के रखरखाव और संचालन का ठेका सुबोध कुमार सिन्हा नामक एक व्यवसायी की कंपनी सुजाता होटल प्राइवेट लिमिटेड को दिलाया था। आरोप है कि इसके बदले में लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार को पटना में कीमती जमीनें बेहद सस्ते दामों पर दी गईं।

लालू परिवार सहित 14 आरोपी

इस मामले में लालू यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव समेत कुल 16 लोगों को आरोपी बनाया गया है। सुनवाई के लिए लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव तीनों कोर्ट पहुंचे। सीबीआई ने इस मामले में मामला दर्ज कर केस चलाने के लिए कोर्ट में एक नई चार्जशीट दाखिल की थी। इस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने अपने फैसले में साफ तौर पर कहा कि टेंडर प्रक्रिया में लालू यादव ने दखलअंदाजी की थी।

आज ही सीट बंटवारे पर मंथन

लालू परिवार पर आरोप तय होने का फैसला ऐसे समय आया है जब महागठबंधन में सीटों के बटवारे को लेकर खींचतान मची हुई है। इस पर अंतिम बातचीत के लिए आज ही दिल्ली में अहम् बैठक होनी है। हो सकता है कि इस फैसले के बाद आरजेडी बैकफुट पर आ जाए। राजनीतिक हलकों में चर्चा यह भी है कि तेजस्वी को मुख्यमंत्री प्रोजेक्ट न करने के पीछे कांग्रेस की रणनीति अदालती फैसलों के इंतजार से भी जुडी हो सकती है। तेजस्वी के खिलाफ मामला जाने से उन्हें प्रोजेक्ट करना डैमेजिंग होगा। इस मुद्दे को लेकर आज की बैठक पर नजरें हैं।

अंदर खास...

मांझी-कुशवाहा में बटीं दिल की दूरियां नेतृत्व के लिए सिरदर्द

एनडीए में सीट बंटवारे के बाद नाराजगी के स्वर, मुकेश सहनी सधे तो तेजस्वी को राहत

एनडीए में सीट बंटवारे के बाद भी सब कुछ ठीक नहीं... पेज 8

'मान न मान फिर भी मैं तेरा मेहमान...'

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

एक कहावत है कि आप मानें या न मानें पर हमारी हैसियत तो मेहमान वाली ही है। इसी सोच के चलते शांति के नोबेल से वंचित ट्रम्प अभी भी खुद को शांति के मसीहा साबित करने पर आमादा हैं। नोबेल नहीं मिल पाने की तीस निकलने का नाम नहीं ले रही है । अब ट्रम्प ने फिर पुराना राग नए अंदाज में छिड़ते हुए कहा है कि आठ देशों में युद्ध उन्होंने नोबल पाने के लिए नहीं रुकवाए ।

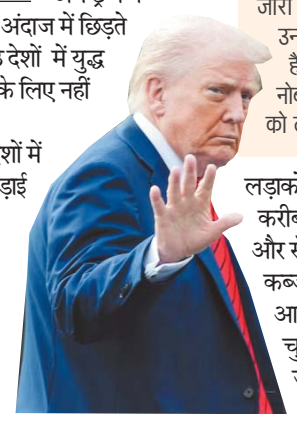

विश्व के कई देशों में बरसों से चलती लड़ाई में लाखों मारे गए लेकिन टैरिफ के औजार के जरिए लाखों जिंदगी बचा लीं। उन्होंने पचासवीं बार दोहराया कि भारत -पाक युद्ध उनकी टैरिफ की धमकी से रुका। लेकिन पाक पर टैरिफ काम करने और भारत पर बढ़ाते जाने का कोई कारण नहीं बताया । अब वे पाक - अफगान को लेकर भी ऐसे ही दावे कर रहे हैं जबकि हिज्ब -ए इस्लामी के बड़े अफगानी नेता गुलबुद्दीन हिकमतयार आरोप लगा रहे हैं कि अफगानिस्तान पर पाक ने अमेरिका के कहने पर ही काबुल के पास हवाई हमले किये । उनका आरोप है कि अमेरिका बगराम के पास फिर से अपना एयरबेस बनाने के लिए दवाब बना रहा था , लेकिन तालिबानी सरकार ने एक इंच जमीन देने से इनकार किया तो उन्होंने हवाई हमले करा दिए ।

गौरतलब है कि पाक के हवाई हमले उस वक्त हुए जब तालिबानी सरकार के विदेश मंत्री आमिर मुत्ताकी भारत के दौरे पर आए। हमलों के जवाब में ही अफगान के तालिबानी लड़ाकों को पाक को जवाब देना पड़ा । इसमें करीब पाँच दर्जन पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और सेना की 25 चौकियों पर भी उसने कब्जा कर लिया । पाक अफगान के बीच आवाजाही और कारोबार के रास्ते बंद हो चुके हैं पर ट्रम्प का राग शांति अब भी जारी है और उसकी फेहरिस्त लंबी होती जा रही है। अब उनका दावा है कि पश्चिम एशिया से लौटते ही वे पाक-अफगान की सुलह करा देंगे।

अब वे आठ देशों में शांति कराने का दावा कर रहे हैं । इसके विपरीत हकीकत तो यही है कि ज्यादातर देशों में अमेरिका ने शांति कराने के नाम पर अपने आर्थिक हित साधने की कोशिश की है जिसमें उन्हें कहीं कामयाबी मिली तो कहीं नाकामी । लेकिन भारत पाक सहित कई देशों में युद्ध रुकवाने के उनके दावे झूठे साबित हो रहे हैं । अब तक भारत-पाक, इजिप्ट और इथियोपिया, अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच शांति के दावे किये। हकीकत ये है कि दशकों के संघर्ष के बाद अजरबैजान के नखचिवन क्षेत्र तक एक गलियारा खोलने को दोनों देश राजी हुए हैं जिसकी प्रशासनिक कमान अमेरिका के पास भी रहेगी। वर्षों तक यूएसए ने इस क्षेत्र में निवेश के अधिकार सुरक्षित कर लिए हैं।

दावे...दर दावे

उनका दावा था कि रवांडा और डीआर कांगो के बीच शांति के लिए व्हाइट हाउस ने आर्थिक सहयोग व क्षेत्रीय संप्रभुता के सम्मान के लिए समझौता कराया। जबकि वहां मारकाट अब भी जारी है। चार सौ से ज्यादा लोग आपसी हमलों में मारे जा चुके हैं। यहां भी उन्होंने वहां के खनिज संसाधनों के इस्तेमाल के लिए समझौता किया है। यही हाल पाक के बलूचिस्तान का भी है। इजरायल-ईरान में युद्ध रुका है पर तनाव बरकरार है। थाईलैंड-कंबोडिया में ट्रम्प के दावों के विपरीत तनातनी जारी है। सर्बिया और कोसावो के बीच भी उनके हस्तक्षेप के बाद हालत सामान्य नहीं हैं। यही हाल मलेशिया व चीन के हैं। नोबल नहीं मिल पाने की खीझ वेनेजुएला को लेकर भी तेज हो चली है।

न्यूज विंडो

छोटी उद्योग यूनिट्स को 200 करोड़ ट्रांसफर

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज एमएसएमई सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं। इस कार्यक्रम में विकास नीति के अंतर्गत प्रदेश के 48 जिलों की 700 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को सिंगल क्लिक के माध्यम से 200 करोड़ रुपये से अधिक की अनुदान राशि ट्रांसफर की जा रही है । इसी तरह स्टार्टअप नीति 2025 के अंतर्गत प्रदेश के 80 से अधिक स्टार्टअप को एक करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि का वितरण भी किया गया।

हमास ने 7 इजराइली बंधक छोड़े, 13 और रिहा होंगे

यरूशलम, एजेंसी। हमास ने इजराइल के 7 बंधकों को रिहा कर दिया है। इन्हें आज दोपहर रेड क्रॉस के हवाले किया गया, जहां से इन्हें इजराइली सेना के हवाले कर दिया गया। परिवारों से मिलने के बाद इन्हें अस्पताल ले जाया जाएगा। हमास आज ही 13 और जीवित बंधकों को रिहा करेगा। इनके नाम भी जारी कर दिए हैं। बंधकों की रिहाई को लेकर इजराइल में जश्न जारी है। रविवार रात से इजराइली नागरिक राजधानी तेल अवीव में जुटे हुए हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी इजराइल पहुंचे हैं। खुद बेंजामिन नेतन्याहू उन्हें रिसीव करने बेन गुरियन एयरपोर्ट पहुंचे।

आज का कार्टून

कोल्ड्रिफ के श्रीसन फार्मा और ड्रग से जुड़े अफसरों पर ईडी का छापा

नईदिल्ली, एजेंसी

मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों में कोल्ड्रिफ कफ सीरप से हुई बच्चों की मौत के मामले में प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने आज श्रीसन फार्मा और तमिलनाडु में औषधि नियंत्रण कार्यालय के बड़े अधिकारियों के ठिकानों पर छापा मारा है। ईडी इस मामले में जांच कर रही है। श्रीसन फार्मा कंपनी का मालिक जी. रंगनाथन अभी मध्य प्रदेश एसआईटी की रिमांड पर है। एसआईटी आज उसे लेकर चेन्नई पहुंच सकती है।

इधर, छिंदवाड़ा जिले में बच्चों की मौत के बाद उत्पन्न हुए गंभीर हालात को देखते हुए, नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन, भोपाल के निर्देश पर औषधि निरीक्षकों के एक विशेष जांच दल द्वारा छिंदवाड़ा में औषधियों की गुणवत्ता जांच के लिए सघन कार्रवाई की जा रही है। विशेष जांच दल ने

जहरीले सिरप की रिकवरी

सात मेडिकल स्टोर संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। दल द्वारा मिलावटी औषधि कोल्ड्रिफ कफ सीरप (बैच नंबर एसआर-13) की रिकवरी की कार्रवाई भी की गई। इसके अतिरिक्त, दल ने परासिया क्षेत्र के प्रभावित बच्चों के परिवारों से मुलाकात कर आवश्यक जानकारी एकत्र की। जिन मेडिकल स्टोर की पूर्व में जांच की गई थी और उनमें अनियमितताएं पाई गई थीं, उनमें से 7 मेडिकल स्टोर संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। इन संचालकों के स्पष्टीकरण प्राप्त होने के पश्चात उनके औषधि लाइसेंस को निलंबन अथवा निरस्तीकरण की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पिछले दो दिनों में छिंदवाड़ा स्थित कई मेडिकल एजेंसियों की जांच की है और परीक्षण हेतु कुल 49 कफ सिरप के नमूने एकत्रित किए हैं। ये नमूने राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजे गए हैं।

9 करोड़ की जमीन धीरेंद्र शास्त्री के प्रभारी ने 54 लाख में खरीद ली, एसडीओ सस्पेंड

छतरपुर, एजेंसी

छतरपुर में लोक निर्माण विभाग की जमीन बेचने के मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। चीफ इंजीनियर सागर संभाग ने छतरपुर में पदस्थ 3 अधिकारियों-कर्मचारियों को लापरवाही का दोषी पाते हुए सस्पेंड कर दिया है। इसमें प्रभारी एसडीओ कमलेश मिश्रा शामिल है।

एडीएम मिलिंद नागदेवे ने बताया कि इसी मामले में नियमों का पालन न करने और रजिस्टर में ओवरराइटिंग पाए जाने पर जिला प्रशासन ने नगर पालिका को भी नोटिस जारी किया है। जिनके नाम जमीन की गई वह बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री का यात्रा प्रभारी बताया जा रहा हैं। छतरपुर में 4000 स्क्वायर फीट की इस सरकारी जमीन की रजिस्ट्री निजी नाम पर की गई है। हाईकोर्ट के पिछले साल के आदेश के बावजूद अधिकारियों ने उस पर कोई ध्यान नहीं दिया। उनकी लापरवाही से विभाग की कीमती जमीन बिक गई।

फर्जी दस्तावेज और गलत कोर्ट बिक्री

करीब 4000 वर्ग फीट क्षेत्र की इस जमीन की कीमत लगभग 9 करोड़ रुपए बताई जा रही है। ये रजिस्ट्री धीरेंद्र गौर और दुर्गेश पटेल के नाम 13 जून 2024 को 84 लाख 54 हजार रुपए में की गई। बताया जा रहा है कि यह काम फर्जी दस्तावेजों और गलत कोर्ट बिक्री के आधार पर हुआ। धीरेंद्र गौर बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री के दिल्ली से वृंदावन यात्रा प्रभारी बताए जा रहे हैं। मामला सामने आने पर कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री आशीष भारती को जांच सौंपी और रजिस्ट्री लेखक रघुनंदन पाठक का लाइसेंस निलंबित कर दिया। एसडीएम अखिल राठौर ने अब नामांतरण पर रोक लगा दी है और विभाग ने हाईकोर्ट में अपील की तैयारी शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर

अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया अभी सबसे लोकप्रिय डेस्टिनेशन

विदेशों में बसने वाले भारतीय अमीरों की संख्या बढ़ी

नईदिल्ली, एजेंसी

देश छोड़ने वाले भारतीय अमीरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ये लोग दूसरे देशों में बस रहे हैं। आज के दौर में सबसे बड़ा सवाल ये है कि इतने अमीर लोग भारत क्यों छोड़ रहे हैं और भारत पर इसका क्या असर होगा। दरअसल, बेहतर जीवन, अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं, काम और कारोबार के मौके, कम टैक्स और सुरक्षा जैसे कारण लोगों की अलग -अलग प्राथमिकताओं में हैं। भारत डबल नागरिकता की अनुमति नहीं देता है। किसी अन्य देश की नागरिकता स्वीकार करने के लिए भारतीय पासपोर्ट जमा करना होता है। विदेश में बसने का जो सबसे आम रास्ता अपनाया जा रहा है वह निवास के माध्यम से नेचुरलाइजेशन है। यह वह कानूनी प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक विदेशी नागरिक एक देश में रहकर उस देश की नागरिकता प्राप्त कर सकता है। इस प्रक्रिया के लिए आमतौर पर एक निश्चित अवधि तक उस देश में वैध निवास करना, कुछ कानूनी और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करना आवश्यक होता है। नागरिकता के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया देश के आधार पर अलग-अलग होती है।

पांच साल में 5 लाख ने छोड़ा देश

एक आंकड़े के मुताबिक पिछले पांच साल में पांच लाख से ज़्यादा भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ दी है। यही नहीं, भारत उन शीर्ष पांच देशों में भी शामिल है जहां से करोड़पतियों का बड़ी तादाद में पलायन हो रहा है। जिन देशों के लिए भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ी उनके डेटा से एक रोचक तस्वीर सामने आती है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया अभी भी 'नेचुरलाइजेशन' के लिए सबसे लोकप्रिय डेस्टिनेशन बने हुए हैं। इसके बाद खाड़ी देश आते हैं, जहां विशेष रेजिडेंसी प्रोग्राम के जरिए लोग बस रहे हैं और छोटे यूरोपीय देशों जैसे इटली और पुर्तगाल नागरिकता पाने के आसान मौके देते हैं।

बच्चों की पढ़ाई में छूट

अमेरिका, यूके और ऑस्ट्रेलिया में दुनिया की सबसे अच्छी यूनिवर्सिटी हैं। अगर आपके पास इन देशों की नागरिकता है, तो बच्चों को वहां पढ़ने और नौकरी करने की छूट होती है। भारत में टैक्स के नियम बहुत जटिल हैं। यूएई जैसे देशों में पर्सनल इनकम टैक्स जीरो है। वहां कॉर्पोरेट इनकम टैक्स 9 फीसदी है। भारत में इसका उल्टा है। यहां कॉर्पोरेट वालों को राहत मिलती है जबकि लोगों पर पर्सनल टैक्स भारी पड़ता है। कम अपराध, अच्छी स्वास्थ्य सर्विस और सोशल सिक्योरिटी अमीरों को अपनी ओर खींचती हैं।

100 वर्ष का हुआ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

शहर में उत्साहपूर्ण अनुशासन से निकला पथ संचलन, हजारों कार्यकर्ताओं ने लिया हिस्सा

सुनील भंडारी, भोपाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर मिसरोद इलाके के नारायण नगर विद्युत भाग में स्वयंसेवकों ने पथ संचलन किया। अनुशासन और उत्साह के साथ हजारों स्वयंसेवकों ने भाग लेकर राष्ट्र गौरव, राष्ट्रीय एकता और सनातन धर्म की रक्षा का संदेश दिया जिनका लोगों ने पुष्प वर्षा से स्वागत किया। जिसमें वक्ताओं ने संघ के उद्देश्य और शताब्दी वर्ष के महत्व पर प्रकाश डाला।

घोष की धुन पर पूर्ण गणवेश में कदमताल करते हुए स्वयंसेवकों ने करीब तीन किमी के पथ संचलन में भाग लिया तथा बड़ी संख्या में स्वयंसेवक इसकी व्यवस्था में लगे। पथ संचलन को देखने के लिए लोग सड़क किनारे उमड़े। कालोनियों में गली किनारे तथा छतों से पुष्प वर्षा कर पथ संचलन में शामिल स्वयंसेवकों का स्वागत किया गया। जगह-जगह तोरणद्वार व रंगोलियां बनाई गई थी। सड़कों की सफाई के साथ कई स्थानों पर बिजली के खंभों पर संघ के शताब्दी वर्ष को पेंट से उल्लेखित किया गया था।

देखते ही बन रहा था वयोवृद्ध स्वयंसेवकों का उत्साह

बाल से लेकर प्रौढ़ स्वयंसेवक शामिल रहे। वयोवृद्ध स्वयंसेवकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। शताब्दी वर्ष की अनुभूति हर स्वयंसेवक में नई ऊर्जा व दायित्व का बोध करा रही है। विजयदशमी पर वर्ष 1925 में नागपुर में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। कार्यक्रमों में समाज के प्रबुद्ध व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया गया था। जिसमें महिला शक्ति की मौजूदगी उल्लेखनीय रही। जिला प्रचारक विद्युत जिला भोपाल महानगर सायंभाग प्रचारक श्रीशिव ने संघ की स्थापना की आवश्यकता, उद्देश्य व उसकी 100 वर्ष की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज व स्वयंसेवकों से अपने जीवन में पंच परिवर्तन अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के परम वैभव के लिए पंच परिवर्तन के अंतर्गत हम सब अपने दैनिक जीवन में सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली एवं स्वदेशी को अपनाएं तथा नागरिक कर्तव्यों का पालन करें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक रेलवे डॉ के के तिवारी रहे।

संचालन में सभी स्वयंसेवक संघ की पारंपरिक गणवेश में रहे

नगर प्रचारक नारायण नगर जितेंद्र पटेल ने बताया की विजयदशमी उत्सव के साथ ही संघ शताब्दी वर्ष प्रारंभ हो गया जिसके अंतर्गत वर्षपर्यंत समाज द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें वृहद गृह संपर्क व हिंदू सम्मेलन प्रमुख है। हिंदू उत्सव समिति के अजय पाटीदार ने बताया कि संघ के इस बार पथ संचलन में व्यापारी, उद्योगपति समाजसेवी, डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, कॉरपोरेट सेक्टर के कर्मचारी और अन्य पेशेवरों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। संचालन में सभी स्वयंसेवक संघ की पारंपरिक गणवेश में रहे। ट्रैफिक व्यवस्था के लिए विशेष योजनाएं बनाई गई थी ताकि आमजन को कोई असुविधा न हो स्वयंसेवकों के अनुशासन और प्रशासन की मदद से पूरे कार्यक्रम को सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया गया। मिसरोद सरकारी स्कूल से मिसरोद गांव होते हुए गांधी मोहल्ला तथा रामलीला मैदान से संजय नगर, लिटिल फ्लावर स्कूल, हिमालय रेजिडेंसी होते हुए नर्मदापुरम मेनरोड पर पैदल मार्च करते हुए कोरल वुड्स समिति के हर ब्लाक के सामने से गुजरते हुए बैडमिंटन कोर्ट पर अल्पाहार के साथ समापन हुआ।

आबकारी विभाग ने आर्य समाज मंदिर को नहीं माना

भोपाल में शराब दुकान की शिकायत पर NHRC को विभाग का जवाब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल की अरेरा कॉलोनी में आर्य समाज मंदिर के पास खुली शराब दुकान को हटाने की शिकायत कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग से की थी। आबकारी विभाग ने एनएचआरसी को दिए जवाब में आर्य समाज मंदिर को मंदिर मानने से इनकार कर दिया। **विभागीय अफसरों के जवाब का खुलासा खुद एनएचआरसी मेंबर प्रियंक कानूनगो ने किया है।**

कानूनगो ने आबकारी विभाग का जवाब X पर शेयर करते हुए लिखा है कि महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने हिंदुओं में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने व हिंदुओं के अवैध धर्मांतरण को रोकने के लिए आर्य समाज की स्थापना की थी। जातिभेद के बगैर सभी हिंदुओं के वैदिक संस्कार आयोजित किए जाने के लिए देश भर में आर्य समाज मंदिरों की स्थापना की थी।

बाबुओं ने बेशर्मी से लिखा- शराब दुकान यथावत रहेगी

कानूनगो ने आगे लिखा- मैंने अरेरा कॉलोनी क्षेत्र में आर्य समाज मंदिर के समीप एक शराब दुकान संचालित किए जाने की शिकायत पर जांच के लिए नोटिस जारी किया था। जिसके जवाब में सरकारी बाबुओं ने पूरी बेशर्मी के साथ लिखा है कि उनके नियम के अनुसार आर्य समाज मंदिर को मंदिर नहीं माना जा सकता है, इसलिए शराब दुकान यथावत रहेगी। कदाचित यह सरकारी बाबू ही वो पतित हिंदू हैं जो हिंदुओं की दुर्दशा के लिए उत्तरदायी हैं। हिंदुओं को अब आर्य समाज मंदिर को सरकारी मान्यता दिलवाने के लिए कार्य करना होगा ?

7 महीनों से शिकायतों पर नहीं हो रही कार्रवाई

भोपाल के अरेरा कॉलोनी में एक आवासीय भूखंड में संचालित अवैध शराब की दुकान के खिलाफ 7 माह से कई शिकायतों के बावजूद कार्रवाई न किए जाने को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने गंभीरता से लिया है। शिकायतकर्ता विवेक त्रिपाठी की ओर से शराब की दुकान से 50 मीटर से भी कम दूरी पर आर्य समाज का मंदिर होने के तर्क को भी आबकारी विभाग ने गंभीरता से नहीं लिया है। शिकायतकर्ता विवेक त्रिपाठी की ओर से शराब की दुकान से 50 मीटर से भी कम दूरी पर आर्य समाज का मंदिर होने के तर्क को भी आबकारी विभाग ने गंभीरता से नहीं लिया है। मामले को आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन को कार्रवाई करने के निर्देश दिए, लेकिन आबकारी विभाग की ओर से प्रस्तुत किए गए जांच प्रतिवेदन में लिखा है कि उनके नियम के अनुसार आर्य समाज मंदिर को मंदिर नहीं माना जा सकता है, इसलिए शराब दुकान यथावत रहेगी।

हमीदिया कॉलेज के पास पर्याप्त कमरे नहीं, अब दो पालियों में लगेगा

भोपाल। राजधानी स्थित हमीदिया प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस (पीएमसीओई) अब दो पालियों में संचालित किया जाएगा। पहली पाली में कामर्स और दूसरी पाली में आर्ट और साइंस की पढ़ाई होगी। स्टाफ काउंसिल की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। बैठक में प्राचार्य कक्ष समेत आधा दर्जन विभाग रूसा भवन में संचालित करने का निर्णय भी लिया गया। मौजूदा स्थिति में कालेज में तीन हजार 336 विद्यार्थी प्रवेशरत हैं। उनकी कक्षाएं लगाने कॉलेज के पास पर्याप्त कमरे नहीं हैं। इसलिए स्टाफ काउंसिल ने कक्षाओं को दो पालियों में लगाने का निर्णय किया है। इसमें पहली पाली में सिर्फ कामर्स के विद्यार्थियों की कक्षाएं सुबह आठ से दोपहर दो बजे तक लगेंगी। दूसरी पाली में आर्ट और साइंस के विद्यार्थियों की कक्षाएं सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक लगेगी। रुसा भवन में स्थानांतरित होने वाले विभागों में विद्यार्थियों को कोई असुविधा नहीं हो जिसके लिए यहां प्लास्टिक शीट लगाकर शेट भी तैयार किया जाएगा। बी ब्लाक में बने नौ कमरे काफी जर्जर हो गए हैं, उन्हें गिरवाकर नया भवन तैयार कराने की स्वीकृति भी स्टाफ काउंसिल ने प्राचार्य डॉ अनिल शिवानी को दी है।

सूर्य उपासना के पर्व छठ के लिए भोपाल तैयार

शहर के 52 घाटों पर पूजा की तैयारी लाखों लोग अर्पित करेंगे सूर्य को अर्घ्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा नजदीक आते ही राजधानी भोपाल में तैयारियां तेज हो गई हैं। नगर निगम और प्रशासन की टीमों ने घाटों पर साफ-सफाई, रंग-रोगन, मरम्मत, विद्युत साज-सज्जा, चेंजिंग रूम, चलित शौचालय और पेयजल जैसी व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का काम शुरू कर दिया है।

शहर के प्रमुख छठ घाट जैसे शीतल दास की बगिया, कमला पार्क, वर्धमान पार्क, खटलापुरा घाट, काली मंदिर घाट, प्रेमपुरा घाट, अयोध्या बायपास, हथाईखेड़ा डैम, बरखेड़ा और घोड़ा पछाड़ डैम सहित कुल 52 स्थानों पर छठ पूजा का आयोजन किया जाएगा। भोजपुरी एकता मंच के अध्यक्ष कुंवर प्रसाद ने बताया कि इन सभी स्थलों पर इस बार लाखों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। छठ महापर्व को लेकर शहर में उत्साह का माहौल है और तैयारियां अंतिम चरण में हैं।
25 अक्टूबर को नहाय-खाय,
26 अक्टूबर को खरना
27 अक्टूबर को डाला छठ सांझी अर्घ्य
28 अक्टूबर को भोर अर्घ्य और पारण

छठ पर्व के बारे में सबकुछ जानिए

पहला दिन : नहाय-खाय के दिन नदी में स्नान करके कद्दू-भात बनाया जाता है। इस दिन छठ व्रत करने वाली महिलाएं सुबह गंगा स्नान कर नए वस्त्र पहनती हैं। कद्दू यानी लौकी और भात का प्रसाद बनाती हैं। इस प्रसाद को खाने के बाद ही छठ व्रत की शुरुआत होती है। ऐसा माना जाता है कि मन, वचन, पेट और आत्मा की शुद्धि के लिए छठ व्रतियों का पूरे परिवार के साथ कद्दू-भात खाने की परंपरा सालों से चली आ रही है।

नहाय-खाय में बनने वाले भोजन में लहसुन-प्याज का इस्तेमाल नहीं होता है। इस दिन लौकी की सब्जी, अरवा चावल, चने की दाल, आंवला की चटनी, पापड़, तिलौरी बनते हैं। जिसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है।

दूसरा दिन : छठ पूजा के दूसरे दिन कार्तिक शुक्ल पंचमी को खरना बोलते हैं। इस दिन व्रती उपवास रखकर शाम को खरना का प्रसाद बनाती हैं। प्रसाद बनाने के बाद सबसे पहले भगवान भास्कर की पूजा की जाती है। पूजा खत्म करने के बाद प्रसाद ग्रहण किया जाता है। खरना का प्रसाद ग्रहण करने के बाद व्रती 36 घंटे का निर्जला व्रत का संकल्प लेती हैं।

तीसरा दिन : तीसरे दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी को दिन में छठ प्रसाद बनाया जाता है। इस दिन प्रसाद में ठेकुआ, जिसे कुछ क्षेत्रों में टिकरी भी कहते हैं, बनते हैं। इसके अलावा चावल के लड्डू बनाए जाते हैं। साथ ही चढ़ावे के रूप में लाया गया सांचा और फल भी छठ प्रसाद के रूप में शामिल होता है।

पीड़ित और न्याय के बीच की कड़ी हैं अभियोजन अधिकारी -लोकायुक्त

भोपाल, दोपहर, मेट्रो। प्रदेश के सभी जिलों के समस्त उप-निदेशक एवं सहायक निदेशक अभियोजन की एक दिवसीय राज्यस्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोकायुक्त सत्येन्द्र सिंह, सम्मिलित हुए साथ ही उपलोकायुक्त नरेन्द्र प्रताप सिंह भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। अध्यक्षता संचालक लोक अभियोजन बी.एल. प्रजापति ने की।

लोकायुक्त ने प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि अभियोजन अधिकारी पीडित और न्याय के बीच की कड़ी होते हैं। उन्हें अपने कर्तव्यों का निर्वहन बड़ी सावधानी एवं सतर्कता के साथ करना चाहिए क्योंकि उनका कार्य महत्वपूर्ण होने के साथ-साथ पुनीत भी होता है। उप लोकायुक्त एन.पी. सिंह ने कहा कि, नवीन अभियोजन अधिकारियों के प्रषिक्षण कार्यक्रम आयोजित होते रहने चाहिए। नवीन कानूनों के प्रावधानों के आलोक में अभियोजन अधिकारियों को अपना कार्य संपादित करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संचालक लोक अभियोजन श्री बी.एल. प्रजापति ने विभाग की प्राथमिकताएं बताई साथ ही प्रदेष के सभी जिलों के अभियोजन अधिकारियों की समस्याओं के समुचित समाधान का भी आष्वासन दिया और उन्होंने अभियोजन विभाग में सृजित नवीन 605 पदों के लिए प्रदेश के सभी अधिकारियों को बधाई दी।

खुल्ले पैसे पर मचा बवाल, कारोबारी के घर घुसे 40 डिलीवरी ब्वाय, नौकरों की कर दी पिटाई

भोपाल। कोलार के रिहायशी क्षेत्र दानिश हिल्स में एक कारोबारी और डिलीवरी ब्वाय के बीच खुल्ले रुपयों को लेकर जमकर हंगामा हो गया। कारोबारी के खुल्ले रुपये न देने पर डिलीवरी ब्वाय ने उनसे अभद्रता की तो उन्होंने थप्पड़ मार दिया। वहीं गुस्साए डिलीवरी ब्वाय ने सेंटर में जाकर अपने साथी डिलीवरी ब्वायों को बुला लिया और कारोबारी के घर में घुसकर लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। बदमाशों का आतंक देखकर कारोबारी अपने परिवार के साथ कमरों में छुप गए। वहीं बदमाशों ने बाहर मौजूद नौकरों की पिटाई कर दी गई। कारोबारी के नौकरों की शिकायत पर कोलार थाना पुलिस ने डिलीवरी ब्वाय और उसके साथियों पर केस दर्ज किया है।

पुलिस ने क्या कहा

थाना प्रभारी संजय सोनी के अनुसार हर्षित गुरू दानिश हिल्स कालोनी में परिवार के साथ रहते हैं। वह पेशे से रियल स्टेट कारोबारी हैं। रविवार दोपहर करीब एक बजे उनकी पत्नी ने आनलाइन साइट ब्लिंकिट से कुछ सामान आर्डर किया था।

कुछ जिलों में हो सकती है बारिश

मैदानी क्षेत्र में देश में सबसे ठंडा रहा इंदौर, पारा 14 डिग्री सेल्सियस

भोपाल। मौसम अब धीरे-धीरे शुष्क होने लगा है। वर्तमान में कोई प्रभावी मौसम प्रणाली भी सक्रिय नहीं है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक सोमवार को प्रदेश के शेष क्षेत्रों (रीवा, शहडोल एवं जबलपुर संभाग के कुछ हिस्से) से भी मानसून वापस हो जाने की संभावना है। आसमान साफ होने के कारण अब रात के तापमान में गिरावट का सिलसिला भी बना हुआ है।

इसी क्रम में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात प्रदेश में सबसे कम 14 डिग्री सेल्सियस तापमान इंदौर में दर्ज किया गया, जो देश के मैदानी क्षेत्रों में रात का सबसे कम तापमान रहा। साथ ही यह पिछले 12 वर्षों में अक्टूबर के 12 दिनों में इंदौर का सबसे कम तापमान भी है। प्रदेश के 30 शहरों में रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से कम रहा।

दिन का सबसे अधिक 32.8 डिग्री सेल्सियस तापमान खजुराहो में दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक वर्तमान में उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। इसके अतिरिक्त अन्य कोई मौसम प्रणाली सक्रिय नहीं है। मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि इंदौर देश के मैदानी क्षेत्र के शहरों में सबसे ठंडा रहा। दूसरे नंबर पर कानपुर (14.8 डिग्री), तीसरे नंबर पर नौगांव (15.3 डिग्री) एवं चौथे नंबर पर धार (15.5 डिग्री) रहा।

मेट्रो एंकर एसडीएम कार्यालय में लॉटरी सिस्टम के माध्यम से आवंटित किए जाएंगे लाइसेंस

भोपाल में इस बार बिट्टन मार्केट में नहीं लगेगा पटाखा बाजार, जिला प्रशासन ने तय किए सात नए स्थान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दीपावली से पहले जिला प्रशासन ने पटाखा दुकानों के संचालन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस वर्ष जिले में कुल 932 पटाखा दुकानों को 50 किलोग्राम क्षमता वाले लाइसेंस जारी किए जाएंगे। अधिकारियों के अनुसार, 15 अक्टूबर को नजूल एसडीएम कार्यालय में लॉटरी सिस्टम के माध्यम से लाइसेंस आवंटित किए जाएंगे, जिसके बाद 16 अक्टूबर से दुकानदार निर्धारित स्थानों पर दुकानें लगा सकेंगे।

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सभी विक्रेताओं को सुरक्षा उपायों का पालन करने के निर्देश जारी किए हैं। दीपावली पर आगजनी जैसी घटनाओं से बचाव के लिए फायर ब्रिगेड और निगम के अमले को विशेष निगरानी में रखा गया है। वहीं इस बार बिट्टन मार्केट में पटाखा बाजार नहीं लगाया जाएगा, जहां पिछले 30 वर्षों से यह बाजार लगता आया है। सुरक्षा कारणों से प्रशासन ने स्थल बदलने का निर्णय लिया है। शहर में अब सात नए स्थानों पर पटाखा बाजार लगाए जाएंगे।

ग्रीन और कम आवाज वाले पटाखों की बिक्री को बढ़ावा- गाइडलाइन के अनुसार, इस बार ग्रीन और कम आवाज वाले पटाखों की बिक्री पर जोर रहेगा। सुतली बम और तेज आवाज वाले पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंध रहेगा। बाजार में चकरी, अनार, फुलझड़ी और मल्टी शॉट केक जैसे कम ध्वनि वाले पटाखे उपलब्ध रहेंगे।

थोक व्यापारियों को भी जारी होंगे लाइसेंस

फुटकर दुकानों के साथ-साथ 19 थोक व्यापारियों को भी 1500 किलोग्राम तक के लाइसेंस जारी किए जा रहे हैं। इसके लिए शहर में 18 गोदाम बनाए गए हैं, जहां सीमित मात्रा में आतिशबाजी संग्रहित की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर सख्ती बरती जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने श्योपुर में महिला सम्मेलन और विकास कार्यों के लोकार्पण तथा भूमिपूजन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। लाडली बहनों पर पुष्प वर्षा की।

नकली दवाओं पर नकेल कसने गठित होगी एन्फोर्समेंट सेल

हर जिला दवा मॉनिटरिंग सिस्टम और हैंडहेल्ड डिवाइस से होगा लैस

भोपाल, दोहपर मेट्रो

छिंदवाड़ा में जहरीले कफ सिरप से 25 मासूमों की मौत ने आखिरकार सरकार को झकझोर दिया। अब प्रदेश में दवा निगरानी व्यवस्था को नया चेहरा देने की तैयारी शुरू हो गई है। डिप्टी सीएम डॉ. राजेंद्र शुक्ल ने भोपाल में रविवार को छुट्टी के दिन बैठक बुलाई। जिसमें कहा गया कि अब हर गोली, हर सिरप की जिम्मेदारी तय होगी। कोई भी दवा जांच के बिना बाजार या अस्पताल तक नहीं पहुंचेगी।

निगरानी के लिए बनेगा खास एन्फोर्समेंट सेल- अब नकली या घटिया दवा बनाने और बेचने वालों की खैर नहीं। सरकार एक खास एन्फोर्समेंट और लीगल सेल बना रही है जो फील्ड से मिली रिपोर्ट के आधार पर तुरंत कार्रवाई करेगी। चाहे वह दवा जब्त करना हो या लाइसेंस रद्द करना। इसमें काम करने वाले फील्ड से लेकर लैब तक काम करने वाले हर अफसर और कर्मचारी को ई-लर्निंग और ऑन-ग्राउंड ट्रेनिंग दी जाएगी। इससे जांच की प्रक्रिया फास्ट, पारदर्शी और डिजिटल बनेगी।

हर जिले में बनेगा दवा मॉनिटरिंग सिस्टम

अब दवाओं की जांच सिर्फ भोपाल, इंदौर या जबलपुर की लैब में नहीं होगी। सरकार हर जिले में लोकल ड्रग मॉनिटरिंग यूनिट बनाएगी। यहां से लिए गए सैंपल की मौके पर जांच होगी और रिपोर्ट सीधे राज्य मुख्यालय को भेजी जाएगी। जिला अस्पतालों और मेडिकल स्टोर डिपो में क्वालिटी कंट्रोल डेस्क बनाए जाएंगे ताकि किसी भी संदिग्ध दवा को तुरंत पकड़ा जा सके।

टीमों को मिलेंगे हैंडहेल्ड डिवाइस

अब ड्रग इंस्पेक्टर को जांच के लिए लैब का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। उन्हें हैंडहेल्ड टेस्टिंग डिवाइस दिए जा रहे हैं, जिससे सिरप या टैबलेट की क्वालिटी मौके पर ही जांची जा सकेगी। इन डिवाइस से दवा में मिलावट या केमिकल असमानता तुरंत पकड़ में आ जाएगी। राज्य में डेटा एंट्री ऑपरेटर, सैंपलिंग असिस्टेंट, लैब असिस्टेंट और केमिस्ट के नए पद बनाए जा रहे हैं। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर की दवा लैब में एचपीएलसी, जीसीएमएसएम, एलसीएमएस, यूवी और माइक्रोबायोलॉजी टेस्टिंग यूनिट्स लगाए जाएंगे। यानी अब हर सैंपल की वैज्ञानिक और माइक्रो स्तर पर जांच होगी।

जवाबदेही से चलेगा सिस्टम

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने साफ कहा, अब कोई दवा आंख बंद करके नहीं बिकेगी। हर बैच, हर सैंपल की जवाबदेही तय होगी। जो गलती करेगा, वो बचेगा नहीं। उन्होंने कहा कि नई योजना का मसौदा जल्द लागू किया जाएगा ताकि आगे किसी बच्चे की जान किसी जहरीले सिरप से न जाए। इस बार जांच और जवाबदेही दोनों फील्ड लेवल तक पहुंचाई जाएगी। ताकि गलती जहां हो, वहीं पकड़ी जाए।

आम आदमी पार्टी ने कराया एमपी के स्कूलों का सर्वे

1000 विद्यालयों में से 98फीसदी में बच्चों के बैठने के लिए डेस्क तक नहीं

भोपाल, दोहपर मेट्रो

एमपी में आम आदमी पार्टी ने पूरी प्रदेश कार्यकारिणी भंग करने के बाद नई टीम के गठन की तैयारी शुरू कर दी है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी और दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री जितेन्द्र सिंह तोमर ने भोपाल में प्रदेश भर के चुनिंदा सीनियर नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में सिंगरौली की महापौर रानी अग्रवाल, पूर्व विधायक ममता मीणा सहित तमाम नेता मौजूद थे।

आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी जितेन्द्र सिंह तोमर ने बताया - हमने अभी तीन महीने पहले एक सर्वे कराया था। उसमें एक हजार स्कूलों का सर्वे कराकर उनके वीडियो बनवाए थे। उन एक हजार स्कूलों में से 990 स्कूलों की स्थिति बहुत खराब है। हमारे पास पूरा रिकॉर्ड है। बरसात का मौसम था छतें गिर रहीं थीं। 98त्न स्कूलों में डेस्क नहीं थे। बच्चे नीचे जमीन पर बैठे हैं।

तोमर ने कहा- स्कूलों में टॉयलेट नहीं, बाउंड्री वॉल नहीं है। बच्चियां जाएं तो कहां जाएं? वास्तव में भाजपा और कांग्रेस की एक रणनीति है। बीजेपी कहती है फूट डालो शासन करो मंदिर की राजनीति करो, समाज को वर्गों में बांट दीजिए। और राजनीति कीजिए। बस शिक्षा मत दीजिए, अगर आप शिक्षा देंगे तो शिक्षा लेने के बाद जो नौजवान खड़ा होगा वो सवाल पूछेगा। कि आपने क्या किया?

प्रदेश से बूथ लेवल तक संगठन रिस्ट्रक्चर होगा

तोमर ने कहा- आज की बैठक मप्र की टॉप लीडरशिप के साथ हुई है। प्रदेश के हर कोने, जिले से लोग आए हैं। अब हम पूरे संगठन को रिस्ट्रक्चर करेंगे। उसके लिए विचार मंथन कर रहे हैं। उसके बाद प्रदेश स्तर से लेकर जिला विधानसभा स्तर तक और बूथ लेवल तक संगठन तैयार करेंगे। हमारा मिशन अगला मप्र का विधानसभा का चुनाव है। उसके बीच में जो भी चुनाव पार्टी के सिंबल पर होंगे वो हमारी पार्टी लड़ेगी। हम सभी 29 लोकसभा सीटों और 230 विधानसभा सीटों पर लड़ेगी। उसके लिए एक्सरसाइज शुरु कर दी है। हम लोगों के बीच में जाएंगे और जनता जो समस्याएं झेल रही है। उन्हें जानेंगे और एक विकल्प के रूप में आम आदमी पार्टी खड़ी होगी।

आधुनिकता की चमक में खत्म हो रही परंपरा

अपनी पहचान खो रहे मिट्टी के दीये

भोपाल/ इंदौर, दोहपर मेट्रो

दीपावली दीपों का त्योहार है। दीपों से त्योहार मनाने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है, जिसका निर्वहन हम करते हैं। तेरस से अमावस्या और बाद में देवउठनी एकादशी तक दीये लगाने का रिवाज है। कार्तिक माह में वैसे भी दीपदान का विशेष महत्व है। दीपावली पर मिट्टी के दीये प्रज्ज्वलित किए जाते हैं। गांव या नगर में मिट्टी के कार्य करने करने वाले वर्षा ऋतु के बाद से इन्हें बनाने का कार्य कर देते हैं। आजकल दीये भी मशीनों से बनाने के बाद सुखा लिए जाते हैं। मिट्टी के दीये जो एक निश्चित आकार के निर्मित होते हैं और बाजार में सरलता से उपलब्ध हो जाते हैं। वर्तमान में मिट्टी के आधुनिक, सुन्दर, छोटे और बड़े आकार के और नये कलेवर के दीये सबका ध्यान आकर्षित कर रहे हैं।

रुचि का अभाव

प्रजापत समाज में आज के युवा परंपरागत कार्य को करने में रुचि नहीं रखते हैं। समाज में समय के साथ बदलाव आया और आज की पीढ़ी शिक्षित होने से वह उच्च स्थानों पर कार्य करने लगी। परिवार के वृद्ध और कुछ लोग मिट्टी के बर्तन और सामग्री बनाने का कार्य करते हैं। जूनी इंदौर में शनि गली में रहने वाले रामकिशन प्रजापत का कहना है कि पहले की अपेक्षा परंपरागत मिट्टी के दीये कम बनाए जाने लगे हैं।

क्यों कम हुए परंपरागत दीये

पूर्व में बनने वाले मिट्टी के परंपरागत दीयों के लिए कच्चे सामान की सरलता से उपलब्धता नहीं है। वहीं मशीनों से निर्मित दीयों की फिनिशिंग अधिक अच्छी होने के कारण ग्राहकों की पहली पसंद हो गए हैं। ग्राहक भी सुंदर, फिनिश और स्टाइल के दीये पसंद करने लगे हैं, इसलिए इन दीयों की बाजार में मांग अधिक है। एक अनुमान के अनुसार नगर में करीब अस्सी लाख से एक करोड़ दीयों की खपत होती है। आधुनिक दीये गुजरात और दक्षिण के राज्यों से बुलवाए जा रहे हैं। सजावट की दुकानों पर स्टाइलिश दीये भी उपलब्ध हैं, जो करीब 25 रुपये से 80 रुपये तक के नॉवेल्टी मार्केट में मिल रहे हैं।

सकारात्मक संकेत

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील किसी अंजाम पर नहीं पहुंची है, लेकिन बातचीत का जारी रहना सकारात्मक संकेत है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के बीच वार्ता में ट्रेड का जिक्र आना बताता है कि मतभेद कम हो रहे हैं। हालांकि ट्रंप के रवैये को देखते हुए इस बारे में पक्के तौर पर कुछ भी नहीं कहा जा सकता।

सही दिशा में प्रगति– दोनों नेताओं के बीच गाजा शांति समझौते पर बात होनी थी, पर ट्रेड डील पर भी चर्चा हुई। दोनों तरफ का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल लंबे समय से डील पर बात कर रहा है। ट्रंप ने इस मुद्दे पर भले कई बयान दिए हों, लेकिन भारतीय प्रधानमंत्री की तरफ से डील पर कभी कुछ नहीं कहा गया। अब उनकी तरफ से जिक्र होने का यही मतलब निकलता है कि बात सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

जल्दबाजी नहीं– भारत और ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के लिए तीन साल से बातचीत चल रही थी। तब जाकर इस जुलाई में पीएम मोदी की ब्रिटेन यात्रा के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर हो सके और अब भी इसे लागू करने में यह पूरा साल गुजर जाएगा। ऐसे में भारत-अमेरिका समझौते के तुरंत फाइनल हो जाने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए और वह भी तब, जब कुछ मुद्दों पर पेच फंसा हुआ है।

बीच का रास्ता– अमेरिकी शिकायत भारत से होने वाले व्यापार घाटे, कृषि व डेयरी उत्पाद और रूसी तेल को लेकर है। अब ऐसा लग रहा है कि बीच का रास्ता निकलने लगा है। भारत ने अमेरिका से अधिक मात्रा में तेल, गैस और एथेनॉल खरीदने का प्रस्ताव दिया है।

लचीलापन चाहिए– हालांकि, समझौता तभी फाइनल हो सकता है और तभी उस पर सफलतापूर्वक अमल किया जा सकता है, जब दोनों पक्ष लचीला रुख अपनाएं। ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन को भारतीय जरूरतों को समझना होगा। अमेरिका के साथ डील का मतलब यह नहीं हो सकता कि भारत अपने दूसरे व्यापारिक सहयोगियों को किनारे कर दे।

दोनों की जरूरत– ट्रंप के दौर में अमेरिकी पॉलिसी अनिश्चित रही है, तो बातचीत की मेज पर भारतीय वार्ताकार अब भी रिलैक्स नहीं हो सकते। उन्हें मजबूती से पक्ष रखना होगा और US को समझाना होगा कि यह डील दोनों ही देशों के लिए जरूरी है। यह तभी हो सकती है जब संवाद, सहयोग, एक-दूसरे की चिंताओं की समझ और आपसी सम्मान हो।

अपराधी-माफिया से मुठभेड़ और मुक्ति की असलियत

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

बिहार विधान सभा चुनाव का एक बड़ा मुद्दा प्रदेश को जंगल राज यानी सत्ता और अपराधी - माफिया गठजोड़ से बचाव भी है। निश्चित रूप से लालू यादव के राज में नेताओं और अपराधियों के गहरे संबंधों पर अनेक प्रामाणिक रिपोर्ट और पुस्तकें आती रही हैं। लालू राज के प्रारंभिक दौर में मै स्वयं एक अखबार के संपादक के नाते कई घटनाओं से परिचित रहा और तब या बाद में भी विभिन्न अखबारों और साप्ताहिक पत्रिका में रिपोर्ट्स और लेख प्रकाशित करता रहा हूँ । इसलिए आजकल अपराध मुक्त व्यवस्था के सन्दर्भ में उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह के कड़े निर्णयों और पुलिस की कार्रवाई के अन्य रायों में भी पालन की बात कही जा रही है । पुलिस कार्रवाई में अपराधियों के मुठभेड़ में मारे जाने पर अवश्य सवाल उठाए जाते हैं । पुलिस अधिकारी , मीडिया , कानूनविद की बहस जारी है ।

इस पृष्ठभूमि में मेरे जैसे पत्रकारों को इन आरोपों पर गंभीरता से सोचना पड़ता है कि क्या ऐसे इनकाउंटर - मुठभेड़ में अपराधी को कानून से सजा के बजाय मारे जाने के प्रकरण भी हैं या जातीय और साम्प्रदायिक पूर्वाग्रह से तो उन्हें नहीं मारा जा रहा है? अथवा क्या पिछले वर्षों के दौरान अदालतों ने जघन्य अपराधियों को कठोर सजा दी या नहीं? इस तरह के सवालों के दिलचस्प उत्तर मुझे उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार के जीवन खासकर एनकाउंटर एक्सपर्ट के नाते प्रामाणिक तथ्यों पर मूलतः पत्रकार से लेखक फिल्म निर्माता अनिरुद्ध मित्रा की पिछले दिनों आई नई पुस्तक द एनफोर्सर (ENFORCER) में मिले । प्रशांत कुमार उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था का चर्चित चेहरा रहे हैं । वर्दी में अपने शुरुआती दिनों से लेकर उत्तर प्रदेश के शीर्ष पुलिस अधिकारी के रूप में अपने उत्थान तक, प्रशांत कुमार का करियर भारत के सबसे जटिल रायों में से एक में उच्च-दांव वाले अभियानों, सांप्रदायिक दंगों और अपराध नियंत्रण

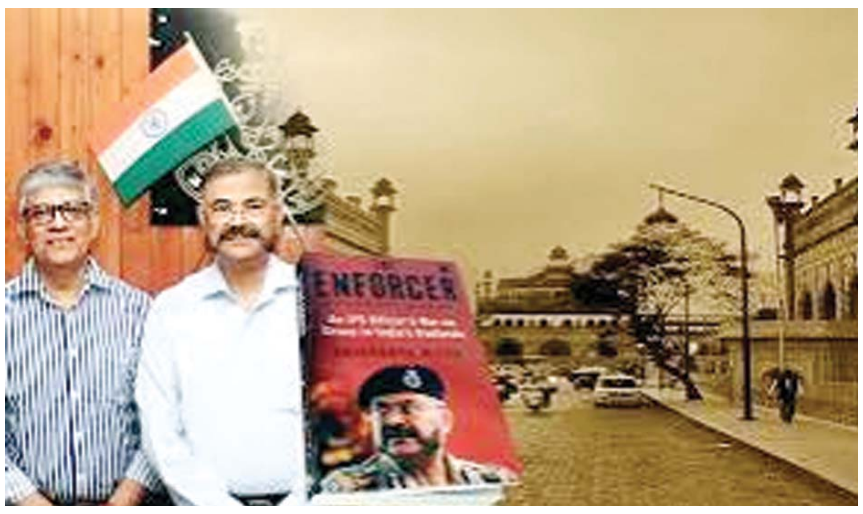

की क्रूर वास्तविकताओं से भरा रहा है। किताब में बताया गया है कि किस तरह दबाव में भी शांत रहने के लिए जाने जाने वाले, प्रशांत कुमार ने खूंखार बदमाशों के खिलाफ अनगिनत अभियानों का नेतृत्व किया, आतंकी मॉड्यूल पर नकेल कसी और राय के कुछ सबसे कठिन क्षणों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुझे सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह लगा कि जुलाई 2023 से मई 2025 तक, यूपी पुलिस ने संवेदनशील और महत्वपूर्ण मामलों में 93,000 से ज़्यादा लोगों को दोषी ठहराया , जिनमें से 65 मामलों में अदालतों से उन्हें मृत्युदंड मिला । यही नहीं इनमें से 7,800 से ज़्यादा लोगों को अदालतों ने आजीवन कारावास और 1,395 लोगों को 20 साल से ज़्यादा की कैद की सज़ा सुनाई गई है । मतलब यह धारणा पूरी तरह गलत है कि गंभीर अपराधों पर पुलिस द्वारा पर्याप्त सबूत उपलब्ध कराए जाने पर देश की अदालतें कठोर दंड दे रही हैं । इसलिए प्रदेशों में पुलिस बल भीपर्याप्त संख्या और साधन संपन्न हो एवं राय तथा केंद्र सरकारें ईमानदार पुलिसकर्मियों को समुचित संरक्षण दें तथा उनके कामकाज में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें । बताया जाता है कि उत्तर प्रदेश में अब पुलिस बल दोगुना हो गया है। इसकी संख्या 4 लाख से ज़्यादा बताई जाती है। और नई भर्ती का काम जारी है । जब भाजपा सरकार प्रदेश में सत्ता में आई थी, तब कुल संख्या केवल 2 लाख थी । अब पुलिस बजट भी ढाई गुना बढ़ गया है।

पुस्तक में मुठभेड़ों के पीछे रणनीतिक सोच, नैतिक अस्पष्टता और कानून के शासन व राजनीतिक मजबूरियों के बीच तार पर चलने की कहानी छिपी है। द एनफोर्सर भारतीय पुलिस व्यवस्था की गहराई में उतरती है, बदलती सरकारों, जनता की निगरानी और हिंसा की हमेशा मौजूद छाया के बीच कुमार के सफ़र को दर्शाती है। इससे पहले अनिरुद्ध मित्रा की एक बेस्ट सेलर बुक 90 डेज आई , जो राजीव गांधी हत्या कांड की जांच की दिलचस्प प्रामाणिक तथ्यों पर आधारित है और उस पर एक टी वी सीरियल द हंट ओटीटी पर लोकप्रिय हो गया है । अनिरुद्ध मित्रा एक अनुभवी पत्रकार और फिल्म निर्माता हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया और इंडिया टुडे में समाचार रिपोर्टिंग के अपने सफल कार्यकाल (1982-93) के दौरान , उन्होंने बोफोर्स घोटाला, राजीव गांधी की हत्या, भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में ड्रग युद्ध, बीसीसीआई बैंक द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग जिसके कारण उसे बंद करना पड़ा, न्यायपालिका में भ्रष्टाचार, भारतीय मॉडल से जासूस बनी पामेला बोर्डेस के जीवन और समय, धर्मगुरु चंद्रास्वामी पर कई खोजी रिपोर्ट लिखी । उन्होंने 1994 में मुंबई में यूटीवी के साथ टेलीविजन ड्रामा सीरीज़ लिखना और बनाना शुरू किया और इंडोनेशिया के एक संसथान में रहकर फिल्में लिखीं और निर्मित भी कीं। दूसरी तरफ नई पुस्तक के नायक प्रशांत कुमार ने माफियाओं से निपटने के लिए किस तरह माफिया टास्क फोर्स का गठन किया और किस तरह माफिया गिरोहों की पहचान का पूरा विवरण बताया है । उत्तर प्रदेश में मुठभेड़ की घटनाओं पर प्रशांत कुमार ने यह स्पष्ट किया है कि ÷पुलिस कोई घात लगाए बैठी नहीं है कि गोली चलाओ और मार डालो। हमें हथियार दिए गए हैं, वे हमारे लिए कोई आभूषण नहीं हैं। अगर कोई हम पर गोली चलाएगा, तो हम जवाबी कार्रवाई करेंगे। हमारे लोग भी मारे गए हैं। प्रशांत कुमार के कार्यकाल में धार्मिक स्थलों से एक लाख लाउडस्पीकर हटाने का संवेदनशील मुद्दा भी शामिल है। उन्होंने कहा, यह धर्म-निरपेक्ष है, ऐसा नहीं है कि हमने किसी एक समुदाय या धर्म को निशाना बनाया है।

इस किताब में प्रशांत कुमार ने यह भी बताया है कि 31 माफिया लीडर और उनके 69 सहयोगियों को अदालत से सजा दिलाने में सफलता मिली। कई को आजीवन कारावास मिला । वे जेलों में पड़े हैं । सन्देश साफ़ है -न माफिया की कोई जगह नहीं है। माफिया विरोधी अभियान में इन करीब 4059 करोड़ रुपए की जब्त किए गए । करीब 14 हजार करोड़ की अवैध संपत्ति को जब्त किया गया और उसके लिए क़ानूनी कार्रवाई की गई । सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि मोदी सरकार द्वारा संसद से पारित न्याय संहिता 2023 के तहत 429 अपराधियों पर क़ानूनी कार्रवाई की गई । इसलिए केवल उत्तर प्रदेश, बिहार ही नहीं सम्पूर्ण देश में अपराधियों पर नियंत्रण के लिए साहसी ईमानदार पुलिसकर्मी को सरकार और अदालत से पूरा सहयोग और न्याय मिलना जरुरी है । दुनिया का कोई देश अपराध मुक्त नहीं कहा जा सकता । भारत में प्रशांत कुमार अकेले नहीं हैं , उनसे पहले भी देश भर में कई अछे अधिकारी रहे और अब भी हैं । वह मूलतः सिवान बिहार के हैं । इसलिए बिहार और उत्तर प्रदेश में उनके अनुभवों और इस किताब से प्रेरणा लेकर शांति कानून व्यवस्था की बेहतरी का लाभ सरकारों और समाज को लेना चाहिए ।

सुविचार

किसी महान व्यक्ति के अनुयायी प्रायः अपनी आंखें बंद रखते हैं ताकि वे उसका गुणगान अधिक अच्छी रीति से कर सकें।
– नीत्शे

निशाना

नहीं तो दानव बन कर ..!

कुमार अखिलेश

लोग निष्ठुरता की सीमा
को भी तोड़ जाते है,
नवजात को सड़क,झाड़ियों
में छोड़ जाते है,
कोई कैसे यह वहशी
कृत्य कर जाता है?
छोटी बच्चियों को मरता
हुआ छोड़ जाता है?

आए दिन ऐसी खबरें
अखबारों में मिल जाती है,
पढ़कर जिसको आत्मा
भी दहल जाती है,
आखिर किस ओर यह
समाज जा रहा है,
क्यों ऐसा मंजर आए दिन
हमें नजर आ रहा है,
बेटियां तो ईश्वर का
अनुपम वरदान है,
समाज की अस्मिता का
गौरव और पहचान है,
बेटों के साथ साथ
बेटियों से भी प्यार करें हम,
बेटियों को सम्मान के
साथ स्वीकार करें हम,
तभी सही मायने में
हम मनुष्य कहलाएंगे,
नहीं तो केवल दानव
बनकर रह जाएंगे।

चर्चा में

डिस्काउंट के साथ आईफोन 16 को टक्कर देता नथिंग फोन 3

फेस्टिवल सीजन में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म तगड़े ऑफर दे रहे हैं, बड़े-बड़े डिस्काउंट मिल रहे हैं। फ्लिपकार्ट ने भी दिवाली करीब आने पर बिग बैंग दिवाली सेल शुरू कर दी है। इसकी लाइव सेल में स्मार्टफोन्स पर भारी छूट मिल रही है। इसी बीच सबसे अधिक चर्चा नथिंग फोन 3 पर मिल रहे डिस्काउंट की है। जब यह फोन लॉन्च हुआ था, तब भी इसकी खूब चर्चा हुई थी। इसे आईफोन 16 की टक्कर के फोन के तौर पर देखा गया था। 79,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च हुआ ये फोन अब भारी छूट में मिल रहा है।

फ्लिपकार्ट पर नथिंग फोन 3 का 12 जीबी रैम और 256 जीबी स्टोरेज वाला मॉडल बड़े डिस्काउंट के बाद 50,118 रुपये में उपलब्ध है, जो पहले 79,999 रुपये का था। लेकिन यदि आप कुछ शर्तें पूरी करें तो इस पर और भारी छूट मिल सकती है। अगर आप फ्लिपकार्ट आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करते हैं, तो आपको 15,325 रुपये का एक्स्ट्रा कैशबैक मिलेगा। इससे फोन की कीमत घटकर सिर्फ 34,793 रुपये हो जाती है। यानी आप 45,000 रुपये से ज्यादा की बचत कर सकते हैं। इसके अलावा, आप अपने पुराने फोन को एक्सचेंज करके और भी छूट पा सकते हैं।

नथिंग फोन 3 में 6.67 इंच का एएमओएलईडी डिस्प्ले है, जो 120 एचजेड रिफ्रेश रेट और 4500 निट्स की ब्राइटनेस के साथ आता है। यह डिस्प्ले शानदार और रंगीन व्यू देता है। फोन में क्वालकॉम का स्नैपड्रैगन 8 एस जेन 4 चिपसेट और एड्रेनो 825 जीपीयू है, जो इसे तेज और पावरफुल बनाता है। यह फोन एंड्रॉयड 15 के साथ आता है, जिसमें नथिंग ओएस 3.5 का इंटरफेस है। कंपनी ने पांच बड़े एंड्रॉयड अपडेट देने का वादा किया है। नथिंग फोन 3 में पीछे की तरफ तीन 50-मेगापिक्सल कैमरे हैं। इसमें एक मैन कैमरा, एक पेरिस्कोप टेलीफोटो लेंस और एक अल्ट्रावाइड कैमरा शामिल है।

कहां जाकर थमेगा सीजेआई गवई और राकेश किशोर मामला

डॉ. मयंक चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा उसके संविधान और न्यायपालिका में बसती है, जहां समानता, स्वतंत्रता और न्याय के आदर्शों को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। वस्तुतः सर्वोच्च न्यायालय को इसी आत्मा का रक्षक कहा जाता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह प्रश्न बार-बार उठ रहा है कि क्या यह रक्षक संस्था सभी समुदायों के लिए समान रूप से न्यायसंगत है? जब मुद्दे बहुसंख्यक समाज, हिन्दू परंपराओं या सांस्कृतिक अधिकारों से जुड़े होते हैं, तो न्यायिक रवैया अक्सर असहज और असंतुलित दिखाई देता है।

जनहित याचिका: उद्देश्य से औपचारिकता तक: भारत में जनहित याचिका (पीआईएल) की शुरुआत 1980 के दशक में हुई थी ताकि समाज के हाशिये पर खड़े लोगों को भी न्याय का दरवाजा खुला मिले। 'लोकस स्टैंडी' की दीवार को तोड़कर सुप्रीम कोर्ट ने आम नागरिकों को न्याय की प्रक्रिया में भागीदार बनाया। किंतु धीरे-धीरे यह औजार राजनीतिक और विमर्शजनित हथियार बन गया। आज अदालतें कई बार ऐसी याचिकाओं को 'पॉपुलिस्ट' या 'पब्लिसिटी-सीकिंग' बताकर खारिज कर देती हैं।

इसी पृष्ठभूमि में सीजेआई गवई और अधिवक्ता राकेश किशोर विवाद तथा अश्विनी उपाध्याय की लगातार खारिज होती याचिकाएँ यह संकेत देती हैं कि बहुसंख्यक समाज से जुड़े मुद्दों को न्यायपालिका किस दृष्टि से देखती है। जब कोई वकील समान नागरिक संहिता, अवैध धर्मांतरण या मंदिर प्रबंधन में राज्य नियंत्रण जैसे विषय उठाता है, तो अदालत प्रायः उन्हें राजनीतिक एजेंडा बताकर किनारे रख देती है।

हिन्दू विषयों पर अदालत की असहजता: वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने संविधान के मूल सिद्धांतों समानता, धर्मनिरपेक्षता और एकरूप न्याय व्यवस्था को आधार बनाकर दो सौ से अधिक जनहित याचिकाएँ दाखिल कीं। परंतु इन याचिकाओं का परिणाम लगभग एक सा रहा या तो खारिज या टिप्पणी के साथ स्थगन। कई बार आरोप लगता है कि अश्विनी उपाध्याय जैसे वकील संपूर्ण समाज के नाम पर भाजपा के राजनीतिक एजेंडा को आगे बढ़ा रहे हैं। लेकिन, यह आरोप केवल हिन्दू विषयों अथवा बहुसंख्यक हितों की याचिकाओं तक ही क्यों सीमित है? जब विभिन्न समुदायों, अल्पसंख्यकों, सामाजिक वंचितों या अन्य संवेदनशील वर्गों की सर्वोच्च न्यायालय में याचिकाएं राजनीतिक रंग लिए सामने आती हैं, तब अदालत चिंतित या सतर्क नहीं दिखती। इससे न्याय का दोहरा मापदंड की ओर इशारा होता है।

वास्तव में यहां सोचने एवं विमर्श का विषय यह है कि ये वही न्यायालय है जोकि अल्पसंख्यक समुदाय, जातीय भेदभाव या आरक्षण जैसे विषयों पर जब सुनवाई करती है, तो अत्यंत संवेदनशील, सहानुभूतिपूर्ण और समयबद्ध रवैया अपनाती है। आज यही विरोधाभास समाज में न्याय के दोहरे मापदंड की छवि बनाता है।

संवैधानिक धर्म और न्यायपालिका की जिम्मेदारी: भारत का संविधान अपने अनुछेद 14, 15 और 25 में समानता, भेदभाव-निषेध और धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है। इन अनुछेदों की चेतना यह कहती है कि कोई भी व्यक्ति चाहे वह किसी भी धर्म या समुदाय से जुड़ा हो, कानून की नजर में समान रहेगा। न्यायपालिका की भूमिका इन अनुछेदों की रक्षा करना है, न कि उन्हें समाजशास्त्रीय संतुलन के तराजू में तौलना। यदि न्यायपालिका यह मानकर चलती है कि ÷बहुसंख्यक समाज स्वतः सशक्त है,÷ तो वह संविधान की मूल आत्मा से भटक जाती है। क्योंकि संविधान ने शक्ति का वितरण धर्म या जनसंख्या के आधार पर नहीं, बल्कि नागरिकता की समानता के सिद्धांत पर किया है। न्यायपालिका के लिए यह आवश्यक है कि वह समान संवेदनशीलता के साथ हर वर्ग की सुनवाई करे। यदि अल्पसंख्यक के अधिकारों की रक्षा न्याय का कर्तव्य है, तो बहुसंख्यक की न्यायसंगत माँगों की उपेक्षा भी उतनी ही असंवैधानिक है। यही संवैधानिक धर्म (Constitutional Morality) का वास्तविक अर्थ भी है कि न्याय केवल कमजोर के लिए नहीं, बल्कि सबके लिए समान रूप से सुनिश्चित हो।

संस्थागत असंतुलन और बार काउंसिल की भूमिका: वकीलों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई में भी यह असंतुलन दिखाई देता है। बार काउंसिल या अदालतें हिन्दू विषयों पर सक्रिय वकीलों को तत्काल नोटिस देती हैं, जबकि अन्य मामलों में यही तत्परता गायब रहती है। न्याय के भीतर यह चयनात्मकता उस निष्पक्षता को चोट पहुँचाती है, जिस पर पूरी व्यवस्था टिकी है।

संविधान, संस्कृति और समानता: एक व्यापक विमर्श: भारत की न्याय व्यवस्था पश्चिमी उदार मॉडल पर टिकी जरूर है, लेकिन उसकी आत्मा भारतीय समाज की विविधता में है। यहाँ धर्म केवल आस्था नहीं, बल्कि सामाजिक संगठन की संरचना है। अतः जब बहुसंख्यक समाज की धार्मिक संस्थाओं मंदिरों, ट्रस्टों, शिक्षा व्यवस्थाओं को न्यायालय बराबर अवसर नहीं देता, तो यह केवल एक समुदाय का प्रश्न नहीं रहता; यह संवैधानिक संस्कृति के क्षरण का संकेत बन जाता है। समान नागरिक संहिता, समान शिक्षा नीति या धर्मांतरण पर पारदर्शी कानून ये केवल हिन्दू एजेंडा नहीं, बल्कि संविधान के अनुछेद 44 और 25 की तार्किक परिणति हैं। इन्हें राजनीतिक रंग देकर अदालत स्वयं संविधान की दिशा से भटकती है।

संस्थागत सुधार व व्यावहारिक संतुलन की आवश्यकता: सबको समान न्याय, बिना निजी, राजनीतिक अथवा सांस्कृतिक पूर्वाग्रह के, अदालत की सबसे पहली जिम्मेदारी है। बहुसंख्यक समाज के विषयों, धार्मिक प्रशासन, सांस्कृतिक मामलों और सार्वजनिक नीति संबंधी याचिकाओं को भी वही संवेदनशीलता, तत्परता और निष्पक्षता मिलनी चाहिए, जो अन्य समुदायों या संवेदनशील वर्गों की याचिकाओं को मिलती है। अन्यथा, न्याय-कक्षों में उपहास, असंगति और पूर्वाग्रह का वातावरण लोकतांत्रिक भारत के भविष्य पर गहरा प्रश्नचिह्न लगा देगा।

हेल्थ अपडेट

रोजाना खाने में नमक की हो सीमित मात्रा, ब्लड प्रेशर रहेगा कंट्रोल

नमक किचन में पाए जाने वाले सबसे जरूरी चीजों में से एक होता है। यह खाने के स्वाद को को बढ़ाने के साथ सेहत से भी जुड़ा होता है। शरीर में नमक की मात्रा कम या ज्यादा होती है तो इसका सीधा असर ब्लड प्रेशर पर पड़ता है। ऐसे में रोजाना कितनी मात्रा में नमक का सेवन करना चाहिए इस बात की जानकारी होनी चाहिए। डॉ मंजरी चंद्रा, कंसलटेंट क्लिनिकल एंड फंक्शनल न्यूट्रिशन, मैक्स हॉस्पिटल, गुरुग्राम के मुताबिक कम नमक वाले आहार से कई बीमारियों का खतरा बढ़ता है। दिल की बीमारियों से बचाव के लिए नमक का सेवन सही मात्रा में करना चाहिए। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के अनुसार साल 2024 में 30 से 79 की उम्र के करीब 33 फ़ीसदी लोग हाइपरटेंशन से पीड़ित थे। समय के साथ हाई ब्लड प्रेशर के कारण हार्ट, ब्रेन और किडनी को गंभीर नुकसान पहुंचता है। कई शोधों से पता चला है कि खाने में नमक की मात्रा को कम करके ब्लड प्रेशर को नॉर्मल रखने में और लंबे समय के लिए अच्छी सेहत बनाए रखने में मदद मिलती है।

नमक से बढ़ता है ब्लड प्रेशर: जब आप नमक खाते हैं तो ब्लड प्रेशर का लेवल तुरंत हाई हो जाता है। ज्यादा नमक के सेवन से कुछ लोगों में 30 मिनट के अंदर ही ब्लड प्रेशर का स्तर बढ़ने लगता है। दअरसल बॉडी में नमक पानी को रोक कर रखता है जिससे ब्लड की मात्रा और ब्लड वेसल्स पर दबाव बढ़ने लगता है। नमक में सोडियम की मात्रा अधिक होती है इसलिए इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और दिल पर ज्यादा दबाव पड़ता है। हाइपरटेंशन की वजह से हार्ट अटैक, आर्टिरीज का सख्त होना और किडनी फेलियर जैसी समस्याएं हो सकती है। एक औसत वयस्क को रोजाना 5 ग्राम से भी कम नमक का सेवन करना चाहिए। यानी प्रतिदिन लगभग एक टी स्पून। हेल्थ एक्सपर्ट्स नमक की इतनी मात्रा को सुरक्षित मानते हैं।

क्लीनिंग टिप्स

कार की सफाई के लिए सही प्रोडक्ट और वैक्यूम क्लीनर है उपयोगी

कार खरीदना जितना आसान होता है, उतनी ही मुश्किल होता उसका मेंटेनेंस। कार के अंदर की गंदगी न सिर्फ देखने में खराब लगती है, बल्कि यह आपकी सेहत के लिए भी नुकसानदेह हो सकती है। कार के अंदर से धूल-मिट्टी साफ करने के लिए आपको वैक्यूम क्लीनर का इस्तेमाल करना चाहिए। यह कार के केबिन को साफ करने का सबसे अच्छा तरीका होता है। इससे आप कार की सीट्स, फ्लोर मैट्स के साथ-साथ कोनों जैसी मुश्किल जगहों में जमी धूल और कचरे को निकाल सकते हैं। सही क्लीनिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। कार के इंटीरियर को साफ करने के लिए कभी भी तेज या हार्ड कैमिकल वाले क्लीनर का इस्तेमाल न करें। डैशबोर्ड को साफ करने के लिए एक नरम माइक्रोफाइबर कपड़े का इस्तेमाल करें। क्लीनर को सीधे डैशबोर्ड पर स्प्रे करने के बजाय कपड़े पर स्प्रे करें और फिर डैशबोर्ड को क्लीन करें। अगर कार की सीट लेदर की है, तो आप खास लेदर क्लीनर और कंडीशनर का इस्तेमाल कर सकते हैं ताकि लेदर फटे नहीं। कपड़े की सीटों के लिए खास फैब्रिक क्लीनर का इस्तेमाल करें।

एयर वेंट्स में सबसे ज्यादा धूल और गंदगी जमा होती है, जो एसी चलाने पर सीधे केबिन में फैल जाती है। इसे साफ करने के लिए एक पतले ब्रश या वैक्यूम क्लीनर के छोटे नोजल का इस्तेमाल करें। इसके अलावा केबिन एयर फिल्टर को समय-समय पर बदलना भी जरूरी है, ताकि धूल अंदर न आए। कार के फ्लोर मैट्स सबसे ज्यादा गंदे होते हैं। हर बार ड्राइव से आने के बाद इन्हें बाहर निकालकर झाड़ें और फिर कार में डालें। अगर ये ज्यादा गंदे हों तो पानी से धोकर सुखा लें।

लाइसेंसधारकों को आवंटित होंगी 115 दुकानें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नगरपालिका द्वारा फटाखा व्यापारियों और ग्राहकों के लिए गुप्ता ग्राउंड में बाजार सजाया जा रहा है। गुप्ता ग्राउंड में नपा द्वारा 115 दुकानों का लेआउट डाला गया है। जिनका आवंटन 14 अक्टूबर से किया जाएगा। फटाखा बाजार प्रभारी हरिश गोस्वामी ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर फटाखा बाजार लगाया जा रहा है। फटाखा बाजार में नगरपालिका द्वारा समुचित व्यवस्था की जा रही है। गुप्ता ग्राउंड के बाहर कोई दुकान लगाएगा तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। लाइसेंसधारियों को ही 14 अक्टूबर से दुकानें आवंटित की जाएंगी। अतिक्रमण दल प्रभारी सुनील राजपूत ने बताया कि 115 दुकानों का लेआउट डाला गया है। पार्किंग स्थल बनाए जा रहे हैं, गैलरी बनाई जा रही है। नपा द्वारा लाइटिंग की व्यवस्था के साथ ही दमकल की व्यवस्था की जाएगी। इस बार पूरा फटाखा बाजार कैमरे की नजर में रहेगा। दुकानदारों को अग्निशमन यंत्र के साथ ही रेत से भरी बाल्टियां भी रखनी होगी। शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करना होगा।

नपाध्यक्ष ने शहर के विभिन्न वार्डों का किया निरीक्षण

विकास कार्यों की गुणवत्ता और अतिक्रमण को लेकर जाने हाल

इटारसी, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे ने रविवार को शहर के विभिन्न वार्डों में चल रहे निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया और विकास कार्यों में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के सख्त निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान, कई स्थानों पर अतिक्रमण हटने के बाद सड़कों की चौड़ाई बढ़ने से स्थानीय निवासियों में खुशी का माहौल है। श्री चौरे ने वार्ड 15, 16, 19, 22 और 33 में चल रहे कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान पार्षद राहुल प्रधान, पार्षद प्रतिनिधि रमेश धूरिया भी उनके साथ रहे।

निरीक्षण के दौरान यह सामने आया कि अध्यक्ष चौरे के प्रयासों से कई संकरी गलियां अब खुली सड़कों में बदल रही हैं। वार्ड 16 में रोड निर्माण कार्य के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि अतिक्रमण हटाए जाने के बाद 8 फीट चौड़ी सड़क अब 17 फीट चौड़ी हो गई है। वार्ड 19 में इसी तरह, नाली निर्माण कार्य के निरीक्षण में सामने आया कि अतिक्रमण हटने के बाद 8 फीट की रोड की चौड़ाई बढ़कर 18 फीट हो गई है। इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि श्री चौरे केवल निर्माण कार्यों पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे हैं, बल्कि शहर के बुनियादी ढांचे को अतिक्रमण मुक्त करके उसकी क्षमता बढ़ाने की दूरगामी सोच रखते हैं।

इस दौरान वार्ड 15 में जिम वाली गली में चल रहे 130 मीटर सीसी रोड निर्माण कार्य की गुणवत्ता का निरीक्षण किया गया। वार्ड 22 में हाजी मंजिल क्षेत्र में डॉ. दयाल के निवास से जमानी वालों की चाल तक चल रहे नाली निर्माण कार्य को देखा। इस दौरान वार्ड पार्षद एवं सभापति श्रीमती गीता देवेंद्र पटेल भी उपस्थित रहीं। श्री चौरे ने विधायक निधि से चल रहे सीसी रोड निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के उपरांत, वार्ड वासियों ने अध्यक्ष को चल रहे विकास कार्यों के लिए धन्यवाद दिया। नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने सभी अधिकारियों और ठेकेदारों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और विकास कार्य समय-सीमा में पूरे किए जाएं। उनकी यह कार्यशैली यह दर्शाती है कि उनका लक्ष्य इटारसी को न केवल सुंदर, बल्कि सुव्यवस्थित और आधुनिक शहर बनाना है।

अमृत योजना का कार्य और नागरिक संवाद

वार्ड क्रमांक 33 में चौरे ने अमृत योजना के तहत बन रहे पार्क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान वार्डवासियों ने उनसे मुलाकात की और वार्ड में स्थित नाले पर सुरक्षा के लिए रैलिंग लगाने का अनुरोध किया। श्री चौरे ने तुरंत वार्ड वासियों को यह कार्य जल्द से जल्द कराने का आश्वासन दिया। इस दौरान पार्षद प्रतिनिधि रमेश धूरिया, कृष्णकांत शर्मा, आशीष परदेशी, शंकर राव, रंजीत सिंह, मदन अमरोही, राहुल खरे, दिनेश चौहान, सुनील मालवीय और अजय सिंह सहित अन्य वार्डवासी साथ रहे।

आहें भर भरकर यूं हीं तितलियां मर गईं

गंजबासौदा। स्थानीय सेंट एसआरएस पब्लिक हायर सैकेण्डरी स्कूल में राष्ट्रीय कवि संगम के तत्वावधान में बाल गोपाल कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें स्कूल के बाल कवियों, कवि शिक्षकों के साथ राष्ट्रीय कवि संगम से जुड़े कवियों ने नव रसों की कविता, गजल, मुक्तक और कुण्डलियां सुनाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मां सरस्वती की वंदना पश्चात् कविगणों का पुष्प हारों से सम्मान किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में वक्ता के रूप में संस्था के डायरेक्टर केएस यादव ने कहा कि कला और साहित्य न केवल देश की संस्कृति को समृद्ध बनाते हैं बल्कि मनुष्य समाज को जीवंतता भी प्रदान करते हैं। कवि कमलेश बंसल ने देश में बेटियों को कोख में मारने की दुष्प्रवृति को लेकर करुण रस से परिपूर्ण गजल सुनाई। आहें भर भर के यूं तितलियां मर गई। कोख में माँ की कुछ बेटियां मर गई। कवयित्री प्रगति यादव ने हैं पवित्र, शुद्ध और सुन्दर सी लगे भारत के माथे की बिंदी। सौभाग्य मेरा देखो ये हैं, जन्मी बेटी माँ हिंदी की के माध्यम से हिन्दी के महत्व को रेखांकित किया। पूरी दुनिया सिमट गई मोबाइल में कविता के द्वारा राखी यादव ने वर्तमान स्थिति को स्पष्ट किया। हास्य कवि नीलेश चतुर्वेदी ने शादी के बफर सिस्टम पर हास्य रस की कविता सुनाकर दर्शकों को रसविभोर कर दिया।

इको सेंसेटिव जोन प्रस्तावों की समीक्षा

नर्मदापुरम। जिले में कलेक्टर सोनिया मीना ने गत दिवस को पिपरिया, सोहागपुर और इटारसी क्षेत्र के वन्य क्षेत्रों में इको सेंसेटिव जोन (ईएसजेड) की भूमि निर्धारण प्रक्रिया पर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य इन क्षेत्रों के इको सेंसेटिव जोन के लिए तैयार किए गए प्रस्तावों और नक्शों की विस्तार से समीक्षा करना था। कलेक्टर ने प्रत्येक अनुविभाग के वन विभाग एवं संबद्ध विभागों द्वारा तैयार नक्शों और दस्तावेजों का गहन परीक्षण किया। उन्होंने विशेष जोर दिया कि प्रस्तावों की जांच के दौरान ऐसे कोई कदम न उठाए जाएं जिससे आम नागरिकों को अनावश्यक रूप से प्रभावित न होना पड़े। कलेक्टर ने सोहागपुर के समीपवर्ती वन क्षेत्र का एसडीएम से पुनः स्थल निरीक्षण कराने के निर्देश दिए ताकि प्रस्तावित भूमि के चिह्नांकन में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनी रहे। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि इटारसी व पिपरिया के प्रस्तावों तथा नक्शों को आगामी आवश्यक कार्रवाई के लिए शासन को भेजा जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि इको सेंसेटिव जोन की भूमि चिन्हांकन प्रक्रिया केवल शासन द्वारा निर्धारित मानकों और सरकारी मापदंडों के अनुसार ही की जाए।

हजारों स्वयंसेवकों के कदमों ने लिखी गौरव गाथा

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर रविवार को नगर में इतिहास रचने वाला अद्भुत दृश्य देखने को मिला। 11 बस्तियों से एक साथ प्रारंभ हुए 5000 स्वयंसेवकों के पथ संचलन ने नगर को राष्ट्रभावना से सराबोर कर दिया। जय स्तंभ चौक पर पहुंचकर सभी शाखाओं का संचलन जब एक साथ मिला तो यह दृश्य मानो 'राष्ट्र संगम' का प्रतीक बन गया। जय स्तंभ चौक पर सभी बस्तियों से निकले पथ संचलन का संगम होकर नेहरू चौक से होते हुए तरण तारण पाठशाला में त्रिवेणी का रूप बन गया। जहाँ भगवा ध्वज की छत्रछाया में गूंजते भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से पूरा वातावरण देशभक्ति से भर उठा। पथ संचालन के दौरान नगर की गलियां फूलों से सजीं, छतों से बरसे पुष्प, और मातृशक्ति ने मंगल कलश लेकर आरती उतारी। हर चौक, हर मार्ग, हर मोड़ पर लोगों, विभिन्न समाजों, व्यापारिक संगठनों ने संघ के शताब्दी वर्ष के इस गौरवशाली क्षण का स्वागत किया।

पाठशाला में संघ के द्वारा संचलन समापन के पश्चात आतिशबाजी कर शताब्दी वर्ष का उत्सव मनाया गया। उल्लेखनीय है कि संघ शताब्दी के 100 वर्ष पूरे होने पर संघ का संचलन इस बार ऐतिहासिक रूप में दिखाई दिया। विजयादशमी के पावन अवसर पर निकले इस संचलन में बाल, तरुण और वरिष्ठ स्वयंसेवकों ने अनुशासन, समर्पण और संगठन की शक्ति का परिचय दिया। पथ संचलन के मार्गों पर नागरिकों द्वारा बनाई गई रंगोलियों, सुसज्जित द्वारों और पुष्प सज्जा ने नगर के गौरव को और बढ़ाया। पथ संचलन के दौरान शताब्दी वर्ष की अनुभूति हर स्वयंसेवक में नई ऊर्जा व दायित्व का बोध करा रही थी। तारण तारण पाठशाला में संचलन के समापन पर स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए मध्य भारत प्रांत के प्रांत प्रचारक विमल गुप्ता ने कहा कि विजयदशमी पर्व भगवान श्रीराम के अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश है। यह दिन शस्त्र और शास्त्र दोनों की पूजा का प्रतीक है। हम केवल शस्त्र के ही नहीं, बल्कि शास्त्र के भी उपासक हैं। जिस भूमि पर शास्त्र और शस्त्र दोनों की मर्यादा रही, वही भूमि विश्वगुरु आर्यावर्त कहलाती है।

पथ संचलन का पुष्प बरसाकर किया स्वागत

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सौ वर्ष पूर्ण होने तथा दशहरा उत्सव के उपलक्ष्य में संगठन की योजना से आयोजित हो रहे बस्तीबार पथ संचलन की श्रृंखला में रविवार को नगर में पांच बस्तियों के अलग अलग पथ संचलन निकाले गए। सभी बस्तियों में एकत्रीकरण, सम्पत के बाद मुख्य वक्ता के बौद्धिक उपरांत पथ संचलन प्रारंभ हुए। स्वयं सेवकों द्वारा कांधे पर दंड लेकर अनुशासित रूप से नगर के अनेक मार्गों से भारत माता के गीत गाते हुए निकले।

गणेश बस्ती एवं मदन मोहन बस्ती में कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक गीत से हुआ। अतिथियों का परिचय, अमृत वचन एकल गीत के पश्चात कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं विभाग प्रचारक सौरभ सिंह ने उद्बोधन देते हुए नागपुर से 1925 में डॉ केशवराम बलिराम हेडगेवार जी द्वारा प्रारंभ की गई संघ यात्रा का विस्तृत व्याख्यान करते हुए राष्ट्र की एकता अखंडता के लिए हिन्दू समाज की संगठित शक्ति का आव्हान करते हुए कहा कि गिनती के बाल स्वयं सेवकों के प्रारंभ हुई संघ की शाखा के 100 वर्ष पूर्ण होने पर संघ की विकास यात्रा एवं उसके संघर्ष के साथ-साथ संघ को सर्वव्यापी सर्वस्पर्शी बनाने पर जोर दिया। अपने उद्बोधन में उन्होंने भारत की गौरवशाली अतीत परंपरा ओर वर्तमान परिस्थितियों का वर्णन किया।

उन्होंने समाज को एकजुटतासे रहने और युवाओं का आह्वान करते हुए उन्हें संगठित रहने हेतु प्रेरित किया तथा अंत में संघ के द्वारा समाज में प्रचारित पंच परिवर्तन के संदेश का भी उल्लेख किया इनमें स्वबोध, नागरिक शिष्टाचार ,पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन और सामाजिक समरसता के लिए समाज के युवाओं को आगे आने का आह्वान किया। संचलन के पूर्व बस्तियों में आयोजित कार्यक्रमो में मदन मोहन बस्ती में मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी राजेंद्र मंगल, जटाशंकर बस्ती में सर्जन शर्मा एवं गणेश बस्ती में जैन समाज से निशा दीदी नेहा दीदी ने प्रमुख रूप से सहभागिता की। मदनमोहन एवं गणेश बस्ती में विभाग प्रचारक सौरभ सिंह,शिवाजी बस्ती में जिला मुख्य मार्ग प्रमुख अरविंद दांगी, जटाशंकर बस्ती में जिला शालेय विद्यार्थी प्रमुख शिवम बघेल एवं सुभाष बस्ती में जिला सह संपर्क प्रमुख जितेंद्र श्रीवास्तव का उद्बोधन स्वयंसेवकों को मिला।

पटाखों की दुकान में आग, सामान जलकर खाक

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

त्योंदा रोड स्थित एक पटाखा व्यापारी की दुकान में आग लग गई। आग लगते ही दुकान में धमाके होने लगे जिससे आसपास अफरा तफरी का माहौल हो गया क्यों जिस दुकान में आग लगी वह रहवासी बस्ती में थी जिस कारण वहां के रहवासियों ने डर का माहौल रहा। हालांकि जानकारी लगने पर प्रशासनिक अधिकारियों सहित नगर पालिका की दमकल ने मौके पर पहुंच कर बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों ने देर रात तक पटाखा व्यापारी की दुकान मकान में जांच पड़ताल की है।

सिंधी समाज भारत की गौरवगाथा का अभिन्न हिस्सा है: विधायक डॉ. शर्मा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नगर में सिंधी साहित्य अकादमी की दो दिवसीय कार्यशाला का समापन रविवार को युवा सृजनशीलता और वरिष्ठ साहित्यकारों के अनुभव के संगम के साथ हुआ। इस कार्यशाला में प्रदेशभर से आए चयनित सिंधी साहित्यकारों और लेखकों ने हिस्सा लिया तथा संवाद के माध्यम से कहानी लेखन की बारीकियों पर विचार-विमर्श किया। कार्यशाला के दूसरे दिन के प्रथम सत्र में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सिंधी समाज भारत की गौरवगाथा का अभिन्न हिस्सा है। भले ही भौगोलिक रूप से सिंधु प्रदेश आज भारत में न हो, परंतु सिंधी भाषा और साहित्य ने इसे भारतीय जनमन में जीवित रखा है। डॉ. शर्मा ने यह भी कहा कि भाषा और संस्कृति हमें मातृभूमि से गहराई से जोड़ती हैं।

सिंधी साहित्य अकादमी के निदेशक राजेश वाधवानी ने कार्यक्रम की प्रस्तावना और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कहानीकारों ने नवरचित कहानियों का पाठ किया। वरिष्ठ साहित्यकारों ने युवा लेखकों को कहानी लेखन की गहराइयों से परिचित कराया। अशोक जमनानी ने बताया कि लघुकथा की पंच लाइन ही उसकी आत्मा होती है, और लेखन में मौलिकता अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि प्रेरणा कहीं से भी मिल सकती है, पर कहानी का भाव और प्रस्तुति लेखक की अपनी होनी चाहिए।

कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष भवानी शंकर शर्मा और पूर्व विधायक गिरिजाशंकर शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए। समापन सत्र में अतिथियों ने सहभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए।

मेट्रो एंकर

विद्यार्थियों ने दिखाया श्रीरामचरितमानस का गहरा प्रभाव, मानस चैंपियन लीग में मिला सम्मान

नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, आदर्शों और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नगर के तिलक भवन में श्रीरामचरितमानस पर आधारित मानस चैंपियन लीग का समापन और पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले के 9,000 से अधिक विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए अपनी ज्ञान और आध्यात्मिक समझ का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के मुख्य आयोजक डॉ. वैभव शर्मा ने बताया कि मानस चैंपियन लीग का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों और युवाओं में धर्मग्रंथों, विशेषकर श्रीरामचरितमानस, के प्रति रुचि और समझ को विकसित करना है?। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, आदर्शों और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुख्य प्रबंधक वेंकटेश शर्मा ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं युवाओं में श्रीरामचरितमानस से जुड़े जीवन मूल्यों और आध्यात्मिक दृष्टिकोण को सशक्त बनाती हैं। विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा ने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ा यह आयोजन नई पीढ़ी में प्रेरणा और संस्कारों का संचार करता है। इस अवसर पर सांसद दर्शन सिंह चौधरी, पूर्व विधायक पं. गिरजाशंकर शर्मा, जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, अर्चना पुरोहित और अरुण शर्मा व शहरवासी उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले छात्र पुरस्कृत

उत्कृष्ट प्रतिभा प्रदर्शित करने वाले विद्यार्थियों को मंच पर सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त प्रतिभागियों में अक्षिता दीवान, यशस्वी शर्मा, श्री सेनापत, यश पांडे, प्राशी कटारे, यश गौर, कृति पटेल, नित्या भदौरिया, पल्लवी भुवाड़े, दिव्यांश निमोदा, सौम्या उपाध्याय, रुद्र पटेल, अन्या नागर, दिव्यानी साहू, और अंश जामलिया शामिल है।

मानस लीग चैम्पियंस 2025 के पुरस्कार किए वितरित

इटारसी। ऋषिकुल गुरुकुल नर्मदा पुरम के द्वारा आयोजित मानस लीग चैम्पियंस के पुरुस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि विधायक डॉक्टर सीतासरन शर्मा ने कहा कि जिस देश के हाथ मे रामायण हो उसे कोई पराजित नही कर सकता।कार्यक्रम की अध्यक्ष ता कर रहे नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चोरे ने मानस लीग प्रतियोगिता को सनातन संस्क्रति के लिए महत्वपूर्ण बताया। संयोजक वैभव शर्मा ने मानस लीग के 9 वर्षों की यात्रा का व्रतांत बताया।अतिथियों ने पुरुस्कार वितरित किये जिसमे प्रज्ञान स्कूल के छात्र आयुष्मान शर्मा एवं आशुतोष शर्मा सरस्वती स्कूल के प्रिंस कुमार प्रत्येक को प्रमाण पत्र, रामचरितमानस एवं तीन हजार पांच सौ रुपये की राशि दी । इसी तरह प्रज्ञान स्कूल की कुमारी प्रिया शर्मा एवं गुरु नानक स्कूल की कनकेश्वरी दुबे द्वितीय स्थान पर रही है इनमें से प्रत्येक को पच्चीस सो रुपये प्रमाण पत्र एवं श्री रामचरितमानस प्रदान की । एकलव्य स्कूल की कुमारी गोरी राजावत एवं नालंदा स्कूल के श्रील ठाकुर तृतीय स्थान पर रहे इनको भी प्रमाण पत्र श्री रामचरितमानस एवं प्रत्येक को एक हजार रुपये की राशि प्रदान की। इटारसी तहसील स्तर पर कुमारी आराधना कटारे प्रथम विजेता रही हैं।

सवा लाख की अवैध शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

सागर, दोपहर मेट्रो

जिले के थाना सानौधा पुलिस ने अवैध शराब परिवहन करने वाले तस्करों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर 180 लीटर अवैध शराब एवं टाटा कार जप्त की है। मिली जानकारी के अनुसार रात्रि में पुलिस टीम गश्त के दौरान थी, तभी मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक टाटा सफेद रंग की कार क्रमांक एमपी 04 टीबी 1968 दमोह की ओर से सागर तरफ अवैध शराब लेकर आ रही है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान ग्राम गिरवर आम रोड पर घेराबंदी की गई। थोड़ी ही देर में संदिग्ध कार दिखाई देने पर पुलिस द्वारा रोकने का प्रयास किया गया, किंतु चालक वाहन को तेज गति से भगाने लगा। पीछा करने पर वाहन चालक और उसका साथी मौके से भागने लगे। पीछा करते समय एक आरोपी गिर गया, जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ पर उसका नाम दीपक गोस्वामी पिता शोभाराम गोस्वामी उम्र 27 वर्ष निवासी सिदगुंवा थाना बहेरिया जिला सागर बताया।

खुरई में निकला संघ का पथ संचलन, पुष्प बरसाकर किया स्वागत

पथ संचलन ने राष्ट्रीय चेतना और अनुशासन का भाव किया जागृत

सागर, दोपहर मेट्रो

विश्व के सबसे बड़े राष्ट्रवादी सामाजिक सांस्कृतिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर खुरई नगर में संघ के स्वयंसेवकों ने भव्य पथ संचलन निकाला। किला मैदान से आरंभ होकर नगर के सभी मुख्य मार्गों से निकले पथसंचलन का नगरवासियों ने पुष्प वर्षा करते हुए स्वागत किया। पूर्व गृहमंत्री, विधायक भूपेन्द्र सिंह ने परसा तिराहे पर पुष्प वर्षा के साथ पथ संचलन का स्वागत किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सैकड़ों स्वयंसेवकों का गणवेश में एकत्रीकरण दोपहर 3:30 बजे खुरई किला मैदान में हुआ। बीना जिला संघ कार्यवाह चंद्रप्रकाश व नगर संघ कार्यवाह प्रदीप ने ध्वजारोहण करने के पश्चात मां भारती, संघ के संस्थापक स्व. केशव बलिराम हेडगेवार व गुरु स्व. सदाशिव गोलवलकर के चित्रों पर दीप प्रज्वलन कर शस्त्र पूजन किया। राष्ट्र भक्ति गीतों में स्वर देते सैकड़ों संघ के स्वयंसेवकों का पथ संचलन नेपथ्य में चल रहे वादक वृंद की लय में कदम ताल करते किला मैदान से निकल कर नगर के मुख्य मार्गों की ओर गतिमान हुआ। पथ संचलन के साथ खुले जीप वाहन में संघ का भगवा ध्वज लिए ध्वजवाहक चल रहे थे। पथ संचलन के स्वागत पश्चात परसा चौराहे पर पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि देश की सामाजिक सांस्कृतिक एकता, अखंडता, धर्म संस्कृति की रक्षा के लिए समर्पित संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ही है। यह विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक सांस्कृतिक संगठन है जिसके शताब्दी वर्ष पर सभी छोटे बड़े स्थानों पर पथ संचलन सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के करोड़ों स्वयंसेवक राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने की भावना लेकर राष्ट्र चेतना व सेवा के कार्य में लगे हैं। सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लंबे संघर्ष के पश्चात ही अयोध्या में भगवान श्री राम का भव्य मंदिर पुनः बन सका है। इसके लिए संघ के सैकड़ों स्वयं सेवकों ने अपना बलिदान दिया। राम राज्य की संकल्पना के लिए जो हमारे संविधान में भी है, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सतत कार्य करता है। आज खुरई में इतनी बड़ी संख्या में एकत्रित हो कर स्वयं सेवकों ने अपनी संगठन शक्ति, अनुशासन को पथ संचलन में प्रकट किया है।

सैलानी घाट लूट के चार आरोपी गिरफ्तार

खरगोन। कसरावद पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कसरावद-खरगोन रोड स्थित सैलानी घाट पर हुई लूट की वारदात का खुलासा कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई पूरी नकदी, मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त वाहन सहित लगभग 65,000 का माल बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, फरियादी सचिन पिता अशोक, जो खरगोन शहर में मेडिकल व्यवसायी हैं, 9 अक्टूबर की रात अपने ड्राइवर लाला उर्फ संदीप के साथ खरगोन से कसरावद की ओर ईको वाहन में लौट रहे थे। इसी दौरान रात करीब 9:30 बजे सैलानी घाट के पास तीन अज्ञात बदमाशों ने उनकी गाड़ी को रोककर 91,390 नकद और एक मोबाइल फोन लूट लिया। घटना के बाद फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को ड्राइवर लाला उर्फ संदीप पर शक हुआ। सख्ती से पूछताछ में उसने अपराध करना स्वीकार किया और अपने तीन साथियों करण, सुधीर एवं पारस के नाम बताए। पुलिस ने तत्काल चारों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसके आधार पर लूटी गई सम्पूर्ण राशि और अन्य सामग्री बरामद कर ली गई।

मंडीदीप में निकला पथ संचलन

मंडीदीप। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार को नगर मंडीदीप में भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। नगर के तीन स्थानों से एक साथ प्रारंभ हुए संचलन का समागम रेलवे ओवरब्रिज पर हुआ। तत्पश्चात स्वयंसेवक मुख्य बाजार मार्गों से कदमताल करते हुए मंगल बाजार स्थित खेल मैदान तक पहुंचे। संचलन में नगर के विभिन्न क्षेत्रों से आए लगभग 2000 स्वयंसेवकों ने गणवेश में अनुशासनबद्ध रूप से सहभागिता की। मार्ग में नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मध्यभारत प्रांत के ग्राम सेवा प्रमुख ब्रजकिशोर भार्गव तथा मुख्य अतिथि नगर संचालक किरण जैन मंचासीन रहे। मुख्य वक्ता भार्गव ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वयंसेवक समाज में अपने आचरण से एक आदर्श प्रस्तुत करता है। जहां स्वयंसेवक होता है, वहां समाज में सुरक्षा और अनुशासन स्वतः स्थापित हो जाता है। उन्होंने कहा कि भारत आदिकाल से समृद्ध राष्ट्र रहा है। वर्तमान समय में देश की सुरक्षा और संगठन दोनों आवश्यक हैं। शांति शस्त्र और शास्त्र के संयोजन से ही संभव है। कमजोरों का साथ कोई नहीं देता, इसलिए हिंदुओं को संगठित होकर विश्व कल्याण के लिए कार्य करना होगा।

मैं हूं अभिमन्यु अभियानः मैराथन में दौड़े युवा, महिला सुरक्षा एवं सम्मान का संदेश

महिला अपराधों के प्रति संवेदनशील रहते हुए जागरुक भूमिका निभानी चाहिए: सिन्हा

सागर, दोपहर मेट्रो

महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से संचालित मैं हूं अभिमन्यु-3 अभियान के तहत पुलिस लाइन से मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। दौड़ को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश कुमार सिन्हा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। अभियान का उद्देश्य महिलाओं, बालिकाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों के लिए एक सुरक्षित एवं संवेदनशील वातावरण का निर्माण करना है। मैराथन दौड़ में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को मैं भी अभिमन्यु लिखी टी-शर्ट प्रदान की गईं तथा सभी ने महिला सम्मान एवं सुरक्षा के लिए शपथ ली। मैराथन के शुभारंभ अवसर पर अति. पुलिस अधीक्षक लोकेश

कुमार सिन्हा ने कहा कि महिलाओं के प्रति आदर, सहयोग एवं समानता की भावना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। समाज के हर वर्ग को महिला अपराधों के प्रति संवेदनशील रहते हुए जागरूक भूमिका निभानी चाहिए। युवाओं को तकनीकी संसाधनों के दुरुपयोग से बचते हुए सकारात्मक दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक (महिला सुरक्षा) अजय कुमार सनकत, रक्षित निरीक्षक नीतेश वाईकर, सूबेदार राजेश कुमारे, धर्मेन्द्र सिंह, महिला सुरक्षा शाखा, रक्षित केन्द्र सागर एवं पुलिस प्रशिक्षण शाला सागर के नव आरक्षकों सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

धर्मांतरण के खिलाफ सख्त कानून की मांग, दिया धरना

डिंडोरी, दोपहर मेट्रो

नगर में जनजाति सुरक्षा मंच ने धर्मांतरण के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन वीरांगना रानी दुर्गावती प्रतिमा स्थल के पास आयोजित किया गया। मंच ने केंद्र सरकार से जनजातियों के धर्मांतरण पर प्रतिबंध लगाने के लिए कड़े नियम बनाने की अपील की। संयोजक चेतन चौहान ने बताया कि देश में मूल समाज का अस्तित्व खतरे में है। जनजाति सुरक्षा मंच ने मांग की है कि देश में धर्मांतरण के खिलाफ सख्त कानून बनाया जाए, जिसमें आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान हो। इसके अतिरिक्त, शिक्षण संस्थाओं और स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर धर्मांतरण करने वालों पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाए। इस कार्यक्रम में कालीचरण महाराज और पवनदास महाराज सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस की बैठक में रणनीति की तैयार

औबेदुल्लागंज। कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी अभियान 'वोट चोर गद्दी छोड़ो' और आगामी चुनावों के लिए मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर भोजपुर विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक औबेदुल्लागंज में आयोजित की गई। बैठक का आयोजन शहर के जे.बी. गार्डन में दोपहर 1 बजे से किया गया, जिसमें जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक देवेंद्र पटेल, भोजपुर विधानसभा प्रभारी विक्रम मस्ताल (हनुमान) और ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष महेश जैन मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान पदाधिकारियों ने अभियान को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में आगामी चुनावों के मद्देनज़र मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को गंभीरता से लेने पर भी बल दिया गया। पदाधिकारियों से कहा गया कि वे बूथ स्तर पर मतदाताओं के नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया की बारीकी से निगरानी करें ताकि किसी प्रकार की त्रुटि न रह जाए। इस अवसर पर भोजपुर विधानसभा क्षेत्र के अनेक कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

कलेक्टर ने जारी किया आदेश

कोल्ड्रिफ कफ सिरप के उपयोग को रोकने जिले में घर-घर होगा सर्वे

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

बच्चों के स्वास्थ की सुरक्षा के मद्देजनर कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने जिले में कोल्ड्रिफ कफ सिरप की उपलब्धता एवं उपयोग को रोकने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास को विभाग के मैदानी अमले के माध्यम से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में घर-घर सर्वे करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने आदेश में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को घर-घर सर्वे हेतु आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी सहायिकाओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं स्वास्थ कर्मचारियों

की अलग-अलग टीमों का गठन करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने सर्वे का कार्य तीन दिन के भीतर पूरा करने तथा सर्वे की दैनिक प्रगति की रिपोर्ट शाम 6 बजे तक प्रस्तुत करने की हिदायत इन अधिकारियों को दी है। आदेश में सर्वे कार्य के लिए संयुक्त कलेक्टर ज्योति परस्ते को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

प्रदेश के अलग-अलग जिलों में लगातार कार्रवाई जारी

जबलपुर स्थित फार्मा कंपनी से सप्लाई हुआ था जहरीला सिरप, औषधि विभाग ने किया सील

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

छिंदवाड़ा और बैतूल में जहरीले कोल्ड्रिफ कफ सिरप के सेवन से 25 बच्चों की मौत के बाद प्रदेश के अलग-अलग जिलों में लगातार कार्रवाई जारी है। जबलपुर की श्रीसन फार्मा कंपनी का महाकौशल डीलर ऑफिस है, जहां से कंपनी की अलग-अलग दवाएं जिले में सप्लाई की जाती थीं।

जबलपुर के कटारिया फार्मास्यूटिकल ऑफिस से ही छिंदवाड़ा का बड़ा लॉट कोल्ड्रिफ सिरप का भेजा गया था। रविवार को जांच रिपोर्ट आने के बाद गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिसके

बाद खाद्य एवं औषधि विभाग ने लाइसेंस निरस्त कर दिया है। इसके बाद पुलिस-प्रशासन ने कंपनी और उसके डीलर के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। दो दिन पहले ही खाद्य एवं औषधि विभाग ने जांच के दौरान पाया था कि नोदरा ब्रिज स्थित कटारिया फार्मास्यूटिकल के ऑफिस-गोदाम में जहां पर दवाओं का स्टॉक रखा जाता था, उसको लेकर अनुमति नहीं थी। इतना ही नहीं, कटारिया फार्मास्यूटिकल के संचालक ने दुकान का लाइसेंस और अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया, लेकिन गोदाम से जुड़े उनके पास कोई दस्तावेज नहीं थे, जबकि यहीं पर दवाओं का स्टॉक रखा जाता था। जिला प्रशासन के साथ मिलकर खाद्य एवं औषधि विभाग ने कटारिया फार्मास्यूटिकल के ऑफिस और गोदाम को फिलहाल सील कर दिया है।

133 हितग्राहियों ने राशि ली, नहीं बनाए आवास

बालाघाट। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 133 हितग्राहियों ने राशि लेकर भी अपने आवास का निर्माण नहीं किया है। इन हितग्राहियों के कारण शासन के 1 करोड़ 14 लाख 10 हजार रुपए से अधिक की राशि फंसी हुई है। नगर पालिका बालाघाट ने इन सभी हितग्राहियों को 7 दिनों के भीतर राशि जमा करने का अल्टीमेटम दिया है, अन्यथा एफआईआर और संपत्ति कुर्क करने की चेतावनी दी है। यह मामला 2017 का है, जब नगरपालिका बालाघाट ने पीएम आवास योजना के तहत लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए राशि प्रदान की थी। जांच में पाया गया कि 133 हितग्राहियों ने इस राशि का उपयोग आवास बनाने के बजाय अन्य कार्यों में किया। नगर पालिका ने ऐसे बकायादार हितग्राहियों की सूची जारी की है और उनके नाम सरेंडर कर दिए गए हैं।

मेट्रो एंकर | गुरुपीपरिया में सरपंच, सचिव और जिम्मेदारों की मनमानी से नहीं मिल रहा ग्रामीणों को लाभ

लाखों की आंगनबाड़ी, फिर भी बच्चे पंचायत भवन में पढ़ने को मजबूर

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

जिले की पाटन तहसील के ग्राम पंचायत गुरुपीपरिया में विधायक निधि से बनी आंगनबाड़ी का लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है। जिससे बच्चों को पंचायत भवन में पढ़ने के लिए जाना पड़ रहा है। आंगनबाड़ी तक जाने वाले रास्ते पर कीचड़ का अंबार लगा हुआ है जिससे बच्चों और गर्भवती महिलाओं को वहां तक पहुंचने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों की कई शिकायत पर बाद भी जिम्मेदार इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि आंगनबाड़ी के अंदर उगी घास और अनदेखी के कारण बच्चों में जहरीले कीड़े और किसी भी अनहोनी का खतरा बना रहता है। वहीं इस मुद्दे को ग्रामीणों द्वारा 10 जुलाई 2025 को जिम्मेदार

अधिकारियों तक पहुंचाया गया था जिस के बाद पाटन जनपद सीइओ ने इस मामले हुई लापरवाही की जांच भी की थी और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया था लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। नतीजा है की मुद्दा उठाने के बाद जो लीपापोती की गई थी वो फिर बड़ी घास और गंदी में उठ गई है। बार-बार एक ही आंगनबाड़ी के लिए सफाई में सरकारी पैसे का दुरुपयोग करने वाले सरपंच, सचिव और जिम्मेदार अधिकारियों की मनमानी में बड़े अधिकारियों की चुप्पी कहीं ना कहीं और बड़े भ्रष्टाचार की और भी इशारा कर रही है। ग्राम पंचायत में अक्सर मनमानी और दबंग लोगों का दखल रहा है वहीं पीएम आवास योजना में दस्तावेज बनवाने जब ग्रामीण सचिव के पास जाते हैं तो सचिव ग्राम पंचायत में नहीं मिलते और जब मिलते हैं तो ग्रामीणों की समस्या हल करने की जगह उने हर कम के लिए तहसील कार्यालय भेज अपना पल्ला झाड़ते हैं सचिव की मनमानी से परेशान इस गांव के ग्रामीण कई सरकारी योजनाओं से वंचित है

बच्चों ने गटकी दो बूंद जिंदगी की

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

पल्स पोलियों अभियान के अंतर्गत वार्ड नंबर 13 में गोटिया पूरा के आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चों को दवा पिलाई गई ! आंगनबाड़ी केंद्र पर पल्स पोलियों अभियान का शुभारंभ पार्षद डा किरण राठौर ने किया आंगनबाड़ी केंद्र पर आए वार्डवासी हितग्राहियों बच्चों को अतिथियों द्वारा 2 बंद पोलियो की दवा पिलाकर पोलियो मुक्त भारत का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद डा किरण राठौर ने कहा कि हमारे देश पोलियो नामक रोग से ग्रसित बच्चों को जीवन भर विकलांगता का सामना करना पड़ता था सरकार की दूरगामी सोच का परिणाम हे कि आज देश का भविष्य सुरक्षित है वही नागरिकों के संकल्प से पोलियो मुक्त भारत बनता जा रहा है उन्होंने कहा कि हम सब भी बढ़चढकर घर घर निकल कर आंगनबाड़ी केंद्र पर आकर अपने बच्चों को दो बूंद दवापिलाकर अच्छे पालक होने का परिचय दे अपने बच्चों का भविष्य सुरक्षित करें। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रीना राहोत ने कहा कि आज से आंगनबाड़ी केंद्र पर अभियान प्रारंभ होकर बच्चों को दवा पिलाकर दिनांक 12,13,14 अक्टूबर तक घर घर जाकर ऊषा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बच्चों को दवा पिलाई जाएगी।

पूर्व भारतीय दिग्गज ने की भविष्यवाणी

वीरेन्द्र सहवाग के तिहरे शतक का रिकॉर्ड तोड़ देंगे यशस्वी जायसवाल

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने यशस्वी जायसवाल की जमकर तारीफ की है। उन्होंने इस युवा ओपनर के टेम्परामेंट और कंसिस्टेंसी की सराहना करते हुए कहा कि जायसवाल में वह काबिलियत है जिससे वह वीरेंद्र सहवाग का टेस्ट क्रिकेट में ट्रिपल सेंचुरी का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। 23 वर्षीय बाएं हाथ के इस बल्लेबाज़ ने एक बार फिर अपनी क्लास दिखाई और दिल्ली में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन शानदार 175 रन बनाए। हालांकि कप्तान शुभमन गिल के साथ गलतफहमी के चलते उनका रन आउट होना उनकी पारी का अंत साबित हुआ, लेकिन तब तक उन्होंने भारत को मज़बूत स्थिति में पहुंचा दिया था।

क्या बोले मोहम्मद कैफ

कैफ जायसवाल की परिपक्वता और शॉट चयन से प्रभावित दिखे और उन्होंने उनकी तुलना विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर से की। पूर्व क्रिकेटर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, %यशस्वी जायसवाल वह बल्लेबाज़ है जिसमें बड़ी पारियां खेलने का धैर्य है और नए रिकॉर्ड स्थापित करने की क्षमता है। शुरुआती 26 मैचों में उसके आंकड़े सचिन और विराट जैसे हैं। वह तेज़ स्ट्राइक रेट से रन बनाता है और उसकी सेंचुरीज़ ज़्यादातर भारत को जीत की राह पर ले जाती हैं। सहवाग का 300 वाला रिकॉर्ड, जायसवाल ही तोड़ेगा।

भारत के दिग्गज ओपनर वीरेंद्र सहवाग टेस्ट क्रिकेट में ट्रिपल सेंचुरी लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज़ थे। उन्होंने यह कारनामा दो बार किया। 2004 में पाकिस्तान के खिलाफ मुल्तान (309 रन) और 2008 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चेन्नई (319 रन) में।

उम्र से परे प्रदर्शन कर रहे थे यशस्वी जायसवाल

कैफ की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब जायसवाल अपने उम्र से परे प्रदर्शन दिखा रहे हैं। 24 साल की उम्र से पहले बतौर ओपनर 7 टेस्ट सेंचुरी लगाने वाले जायसवाल इस लिस्ट में सिर्फ ग्रेम स्मिथ के बराबर हैं। यह आंकड़ा उन्हें भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज़ों में से एक बनाता जा रहा है। वास्तव में, भारत के लिए 24 साल से पहले सचिन तेंदुलकर के अलावा किसी ने इतनी टेस्ट सेंचुरी नहीं लगाई थीं। जायसवाल का आक्रामकता और धैर्य का बेहतरीन संतुलन उन्हें युवा पीढ़ी के बल्लेबाज़ों में अलग बनाता है। जायसवाल के आउट होने के बाद कप्तान शुभमन गिल ने जिम्मेदारी संभाली और 129 रनों की नाबाद पारी खेली। वहीं गेंदबाज़ी में रवींद्र जडेजा (3/37) और कुलदीप यादव (1/45) ने वेस्टइंडीज पर शिकंजा कस दिया।

रांची में स्वदेशी मैराथन का आयोजन

रांची। मोरहाबादी मैदान में स्वदेशी मैराथन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। हरी झंडी दिखाने के साथ कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6.30 बजे से हुई, जिसमें करीब 25 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। इस मैराथन का मुख्य उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देते हुए आत्मनिर्भर भारत के विचार को मजबूत करना था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के बाद बोलीं कौर

दो खराब मैचों से कोई फर्क नहीं पड़ता, करेंगे वापसी

विशाखापत्तनम। महिला विश्व कप 2025 में रविवार को एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक हाईस्कोरिंग और रोमांचक मुकाबला खेला गया, जिसमें भारतीय टीम को 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड 331 रन चेज कर भारत को हराया। हार के बाद निराश दिखीं भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि दो खराब मैचों से कोई फर्क नहीं पड़ता। हम आगे के मैचों में वापसी करेंगे।

मैच के बाद हरमनप्रीत कौर ने कहा, हमारी शुरुआत जिस तरह की हुई थी, हम 30-40 रन बना सकते थे, लेकिन आखिरी 6-7 ओवरों में हम लगातार विकेट गंवाते रहे। यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट था और हम इसका फायदा नहीं उठा पाए। ओपनर्स ने हमें अच्छी शुरुआत दी। इसीलिए हम काफी रन बना रहे हैं। पिछले 3 मैचों में हम बीच के ओवरों में बल्लेबाजी नहीं कर पाए थे, निचले क्रम ने जिम्मेदारी ली थी, लेकिन आज हम अंत में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। कौर ने कहा, अगले कुछ मैच बहुत महत्वपूर्ण हैं और इस मैच से कई सकारात्मक बातें सामने आई हैं। हम बैठकर इस पर चर्चा करेंगे, इस संयोजन ने हमें पहले भी सफलता दिलाई है और दो खराब मैचों से कोई फर्क नहीं पड़ता।

रोहित शर्मा की वनडे कप्तानी में खेले पहले मैच के खिलाड़ी अब कहां हैं?

तीन दिग्गज ले चुके हैं रिटायरमेंट

नई दिल्ली , एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया दौरे के जरिए भारतीय टीम वनडे क्रिकेट में नया आगाज करने जा रही है। इस दौरे पर तीन मैचों की वनडे सीरीज में शुभमन गिल टीम इंडिया की कप्तानी करने जा रहे हैं। शुभमन को रोहित शर्मा की जगह वनडे टीम का नया कप्तान चुना गया है। 19 अक्टूबर से शुरू हो रही वनडे सीरीज के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली भी भारतीय स्क्वॉड का हिस्सा हैं।

रोहित शर्मा ने वनडे क्रिकेट में कप्तान के तौर पर शानदार प्रदर्शन किया। रोहित की कप्तानी में भारत ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में खिताबी जीत हासिल की थी। रोहित अब केवल स्पेशलिस्ट बैटर के तौर पर भारतीय टीम के लिए खेलने जा रहे हैं, ऐसे में उनके लिए भी यह सीरीज किसी नई शुरुआत से कम नहीं होगी। रोहित शर्मा ने 56 वनडे इंटरनेशनल मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी की। रोहित शर्मा ने पहली बार वनडे टीम की कप्तानी 10 दिसंबर 2017 को श्रीलंका के खिलाफ धर्मशाला में की थी। तब विराट कोहली को वनडे सीरीज के लिए आराम दिया था। हालांकि उस मुकाबले को रोहित शर्मा यादगार नहीं बना सके थे। रोहित के अंडर में उस मैच में खेले शिखर धवन, महेंद्र सिंह धोनी और दिनेश कार्तिक अब इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं।

सुरंगा के आगे पस्त हुई थी टीम इंडिया- भारतीय टीम को उस मुकाबले में 7 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी। टीम इंडिया उस मैच में सुरंगा लकमल (13/4) की घातक गेंदबाजी के चलते 112 रन ही बना सकी थी। जवाब में श्रीलंकाई टीम ने 20।4 ओवर में ही टारगेट हासिल कर लिया। भारत की ओर से भुवनेश्वर कुमार, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या ने 1-1 विकेट लिए थे। उस मुकाबले में रोहित शर्मा के अलावा श्रेयस अय्यर और कुलदीप यादव भी भारतीय टीम की प्लेइंग-11 का हिस्सा थे। ये तीनों अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में भी भारतीय टीम के लिए भाग लेने वाले हैं।

रोहित अब टीम का अहम हिस्सा

रोहित शर्मा बतौर कप्तान अपने पहले वनडे मुकाबले में सिर्फ 2 रन पर आउट हुए थे। शिखर धवन तो बिना खाता खोले चलते बने थे। जबकि श्रेयस अय्यर 9 रन बनाकर पवेलियन लौटे थे। रोहित अब बतौर सीनियर खिलाड़ी टीम का अहम हिस्सा हैं। वहीं धवन ने अगस्त 2024 में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। जबकि श्रेयस अय्यर वनडे टीम के उपकप्तान हैं। श्रेयस चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी रहे थे।

पंड्या को चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर होना पड़ा

दिनेश कार्तिक, मनीष पांडे, एमएस धोनी और हार्दिक पंड्या ने उस मुकाबले में मिडिल ऑर्डर में बैटिंग की थी। कार्तिक (0 रन), पंड्या (10 रन) और पांडे (2 रन) कुछ खास नहीं कर पाए थे। लेकिन धोनी ने 87 बॉल पर 65 रन बनाए थे। कार्तिक ने जून 2024 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। वहीं मनीष पांडे ने आखिरी बार जुलाई 2021 में भारत के लिए खेला था। महेंद्र सिंह धोनी ने 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा, लेकिन वो इंडियन प्रीमियर लीग में अब भी खेलते हैं। उधर हार्दिक पंड्या अब भारत की व्हाइट बॉल टीम के अहम सदस्य बन चुके हैं। पंड्या को चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर होना पड़ा है। भारतीय टीम के लिए उस मुकाबले में लोअर ऑर्ड में भुवनेश्वर कुमार (0), कुलदीप यादव (19 रन), जसप्रीत बुमराह (0 रन) और युजवेंद्र चहल (नाबाद 0 रन) ने बैटिंग की थी। भुवनेश्वर नवंबर 2022 के बाद से भारत के लिए नहीं खेले हैं, लेकिन आईपीएल में अब भी डटे हुए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आईपीएल चैम्पियन बनाने में भुवनेश्वर कुमार का अहम रोल रहा था। युजवेंद्र चहल की बात करें तो वो जनवरी 2023 के बाद भारतीय टीम के लिए एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। हालांकि चहल 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे थे। कुलदीप यादव अब भारत की स्पिन बॉलिंग यूनिट के लीडर हैं, वहीं बुमराह को ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के लिए आराम दिया गया है। बतौर ओडीआई कैप्टन रोहित शर्मा के पहले मैच में भारतीय टीम की प्लेइंग-11: शिखर धवन, रोहित शर्मा (कप्तान), श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, दिनेश कार्तिक, एमएस धोनी (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह और युजवेंद्र चहल।

IND vs WI

शतक लगाकर आउट हुए शाई होप, टीम इंडिया की मैच में वापसी

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला इस वक्त खेला जा रहा है। इस मैच के लिए दोनों टीमें दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भिड़ रही हैं। चौथे दिन जीत-हार का फैसला हो सकता है। वेस्टइंडीज फॉलोऑन खेल रही है और तीसरे दिन खत्म होने तक उन्होंने कुछ हद तक वापसी की थी। वेस्टइंडीज ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट पर 173 रन बनाए थे। टीम इंडिया ने मैच में पहली पारी 518 रन पर 5 विकेट खोकर घोषित की थी। वेस्टइंडीज पहली पारी में सिर्फ 248 रन पर ऑलआउट हो गई, जिससे टीम इंडिया ने 270 रन की बढ़त लेने के बाद वेस्टइंडीज की टीम को फॉलोऑन दिया था।

शाई होप को सिराज ने किया बोल्ड: शाई होप शतक लगाने के बाद आउट हो गए हैं। उनको मोहम्मद सिराज ने 103 रन बनाने के बाद बोल्ड किया। वेस्टइंडीज की टीम को मैच में चौथा झटका लग चुका है। वहीं उनकी लीड एक रन की है।

शाई होप ने ठोकी सेंचुरी: शाई होप ने भारत के खिलाफ दिल्ली टेस्ट में शतक ठोक दिया है। ये उनके करियर का तीसरा शतक है। वही वेस्टइंडीज की टीम भारत के ऊपर लीड लेने के करीब है। भारत और वेस्टइंडीज दूसरे टेस्ट के चौथे दिन लंच के बाद एक बार फिर से खेल शुरू हो चुका है। समाचार लिखे जाने तक वेस्टइंडीज की टीम भारत से सिर्फ 18 रन पीछे हैं, वहीं शाई होप अपने शतक के करीब है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

अगर रखना है कदम तो आगे रख..., जोश भर देगा सोनू का लेटेस्ट वीडियो

फिल्म शहीद ए आजम से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले एक्टर और सामाजिक कार्यकर्ता सोनू सूद की फैन फॉलोइंग काफी बढ़ गई है। एक्टर फिल्मों पर ध्यान तो दे ही रहे हैं, साथ ही पंजाब के बाढ़ पीड़ित लोगों की मदद भी कर रहे हैं। अब सोनू सूद ने ऐसी मोटिवेशनल वीडियो पोस्ट की है, जिसे सुनकर किसी का भी हौसला बुलंद हो जाएगा।

सोनू सूद ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वो सोफे पर बैठे दिख रहे हैं। इसमें एक्टर बोल रहे हैं, तू अपनी खूबियां ढूंढ, खामियां निकालने के लिए तो लोग हैं ना, अगर रखना है कदम तो आगे रख, पीछे खींचने के लिए दुनिया है ना, सपना देखना है तो ऊंचा देख, नीचा दिखाने के लिए तो लोग हैं ना, अपने अंदर जुनून की चिंगारी भड़का, जलने के लिए लोग हैं ना। एक्टर की कही लाइनें किसी के अंदर जोश भरने के लिए काफी हैं। फैंस भी सोनू की कही लाइनों की तारीफ कर रहे हैं।

मैं अकेला ही काफी हूं..

एक यूजर ने तारीफ कर लिखा, दो तरह के लोग होते हैं दुनिया में, एक वो जो ये कहते हैं कि मैं काफी अकेला हूं और दूसरे वो जो ये कहते हैं कि मैं अकेला ही काफी हूं और आप अकेले ही काफी हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा, आप आम लोगों के लिए भगवान से कम नहीं हैं। ऐसे ही काम करते रहिए। भगवान आपको सदा खुश रखे। बता दें कि कोविड से लेकर अब तक सोनू सूद लगातार लोगों की मदद कर रहे हैं। कोविड के समय सोनू ने मरीजों को बेड दिलवाने और ऑक्सीजन सिलेंडर का इंतजाम कर कई लोगों की जान बचाई थी। अब पंजाब में आई बाढ़ के बाद भी वो छोटे-छोटे गांवों में जाकर जरूरत का सामान पहुंचा रहे हैं। लोगों के घर बनवाने का काम कर रहे हैं। यही वजह है कि एक्टर को सोशल मीडिया और रियल लाइफ में लोग मसीहा की तरह मानते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो सोनू को आखिरी बार फिल्म फतेह में देखा गया था। फिल्म में एक्टर के साथ जैकलीन फर्नांडीज, नसीरुद्दीन शाह, और विजय राज भी दिखे।

रुपाली गांगुली का एनिमल लव! स्ट्रीट डॉग के साथ शेयर की तस्वीरें

मुंबई। टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्री रुपाली गांगुली अक्सर अपने बयान को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पोस्ट में जानवरों के प्रति अपने प्रेम और एक खास अनुभव को प्रशंसकों के साथ साझा किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह स्ट्रीट डॉग के साथ नजर आ रही हैं। रुपाली ने तस्वीर पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, क्या आपके साथ कभी ऐसा हुआ कि कोई जानवर अचानक आपके पास आ जाए? मेरे साथ तो ऐसा बार-बार होता है। मुझे लगता है कि मैं इन मासूम जानवरों को नहीं ढूंढती, बल्कि ये खुद मेरे पास चले आते हैं। आज भी कुछ ऐसा ही हुआ। मैं बाहर तस्वीरें लेने गई थी, तभी एक छोटा सा, प्यारा सा डॉग मेरे पास आकर रुक गया। ये प्यारे मेहमान मुझे बाबा महाकाल का आशीर्वाद लगते हैं, जो हमें याद दिलाते हैं कि प्रेम और करुणा हर जगह मौजूद है। उन्होंने अपने पोस्ट में यह भी बताया कि वह जानवरों को सिर्फ पालतू नहीं मानतीं, बल्कि उन्हें अपने जीवन का हिस्सा और ईश्वर का आशीर्वाद मानती हैं।

मेट्रो बाजार

डॉ रेड्डी-जायडस ने खराब गुणवत्ता के बाद अमेरिका से वापस मंगाई दवाइयां

नई दिल्ली। दो बड़ी भारतीय दवा कंपनियां, डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज और जाइडस लाइफसाइंसेज, अमेरिका के बाजार से कुछ दवाइयां वापस मंगा रही हैं। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) ने बताया है कि इन दवाओं में निर्माण प्रक्रिया के दौरान कुछ समस्याएं पाई गई हैं। ऐसे में मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ये दवाएं वापस मंगाई जा रही हैं। डॉ. रेड्डी की अमेरिका में स्थित शाखा ने सक्सिनिलकोलाइन क्लोराइड इंजेक्शन की 571 शीशियों को वापस मंगाने का फैसला किया है। यह दवा मांसपेशियों को आराम देने के लिए इस्तेमाल होती है।

यूएसएफडीए ने बताया कि छह महीने की जांच के दौरान दवा की गुणवत्ता मानकों से बाहर पाई गई, जिससे इस वापसी की प्रक्रिया शुरू की गई। अमेरिका भर में इस दवा के इस बैच को वापस मंगाया जा रहा है। यह मामला क्लास-2 रिकॉल के तहत है, जिसका मतलब है कि इस दवा के इस्तेमाल से अस्थायी या ठीक हो सकने वाली स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, लेकिन गंभीर स्वास्थ्य जोखिम बहुत कम हैं। इसी तरह, जाइडस लाइफसाइंसेज की अमेरिकी शाखा जाइडस फार्मास्युटिकल्स ने भी 1,500 से ज्यादा डब्बों की एंटेकाविर टैबलेट्स वापस मंगाई हैं। एंटेकाविर एक एंटीवायरल दवा है, जो मुख्य रूप से क्रॉनिक हेपेटाइटिस बी नामक बीमारी के इलाज में काम आती है।

शेयर बाजार में तेजी का असर! शीर्ष 10 में से 8 कंपनियों का मूल्यांकन 1.94 लाख करोड़ बढ़ा

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में तेजी के चलते शीर्ष 10 में से 8 कंपनियों के मूल्यांकन में 1,94,148.73 करोड़ रुपए की बढ़त हुई है। बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी अच्छा रहा। इस दौरान निफ्टी 1.57 प्रतिशत या 391.10 अंक बढ़कर 25,285.35 पर और सेंसेक्स 1.59 प्रतिशत या 1,293.65 अंक बढ़कर 82,500.82 पर बंद हुआ। जिन कंपनियों के मूल्यांकन में इजाफा हुआ है, उनमें टीसीएस, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल और भारतीय स्टेट बैंक का नाम शामिल है।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 45,678.35 करोड़ रुपए बढ़कर 10,95,701.62 करोड़ रुपए हो गया है। इन्फोसिस के मूल्यांकन में 28,125.29 करोड़ रुपए की बढ़त हुई है, जिससे बाजार मूल्यांकन 6,29,080.22 करोड़ रुपए हो गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 25,135.62 करोड़ रुपए बढ़कर 15,07,025.19 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जबकि भारती एयरटेल का मूल्यांकन 25,089.27 करोड़ रुपए बढ़कर 11,05,980.35 करोड़ रुपए हो गया। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 21,187.56 करोड़ रुपए बढ़कर 6,36,995.74 करोड़ रुपए हो गया।भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन 12,645.94 करोड़ रुपए बढ़कर 8,12,986.64 करोड़ रुपए हो गया, जबकि आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 11,251.62 करोड़ रुपए बढ़कर 9,86,367.47 करोड़ रुपए हो गया।

वायरस से सुरक्षित हुआ दिल्ली नेशनल ZOO, विजिटर्स के लिए जल्द खुलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली का नेशनल जू महीने के अखिरी सप्ताह में विजिटर्स के लिए खुल जाएगा। जू में फिलहाल कोई सक्रिय एवियन इंफ्लूएंजा वायरस मौजूद नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, अगले 15-15 दिनों में दो और निगरानी नमूने लिए जाएंगे और उनके परिणामों के आधार पर ही 30 अक्टूबर के बाद जू को आम जनता के लिए खोला जाएगा। बीमारी के फैलाव को रोकने के लिए सभी वन्य जीवों पर सीसीटीवी निगरानी, स्टाफ के लिए मास्क, दस्ताने और सुरक्षात्मक सूट, और नियमित दवा छिड़काव व सफाई जारी है। नेशनल जू ने कहा है कि पशुओं की सेहत, विजिटर्स और कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। बता दें कि दो पेंटेड स्टॉर्क की मौत के बाद उनके सैंपल्स भोपाल स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिज़ीजेज में भेजे गए थे, जो बर्ड फ्लू पॉजिटिव पाए गए थे। रिपोर्ट के बाद प्रशासन ने नेशनल जू को 30 अगस्त से अगले आदेश तक बंद कर दिया था।

मांझी-कुशवाहा में बढ़ीं दिल की दूरियां नेतृत्व के लिए सिरदर्द

एनडीए में सीट बंटवारे के बाद नाराजगी के स्वर, मुकेश सहनी सधे तो तेजस्वी को राहत

पटना, एजेंसी

बिहार चुनाव के लिए एनडीए में सीटों का बंटवारा हो गया है। दोनों प्रमुख घटक दल भाजपा और जेडीयू 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं चिराग पासवान की लोजपा 29 सीटों पर मैदान में उतरेगी। हम और रालोसपा को केवल 6-6 सीटें मिली हैं। इस सीट बंटवारे से वैसे तो एनडीए के भीतर थोड़ी नाराजगी है, लेकिन वहां कोई तोड़फोड़ नहीं होने वाली है। लेकिन, सीट बंटवारे से सबसे ज्यादा राहत तेजस्वी यादव को मिली है। महागठबंधन में सीटों के बंटवारे पर अभी तक कोई अंतिम मुहर नहीं लगी है। इस गठबंधन में सबसे ज्यादा कड़ी बार्गेनिंग वीआईपी के मुकेश सहनी कर रहे हैं। वह शुरू से 40 सीटें और उपमुख्यमंत्री का पद चाहते हैं। वह सार्वजनिक मंचों पर भी कह चुके हैं कि गठबंधन में भले ही उनको कितनी सीटें मिलें, लेकिन वह चुनाव को 40 सीटों पर ही लड़ेंगे।

दरअसल, एनडीए में किसी के शामिल होने की संभावना खत्म हो गई है। क्योंकि सीटों की स्थिति साफ हो गई है। ऐसे में अब मुकेश सहनी के पास महागठबंधन से बाहर जाने के सभी रास्ते बंद हो चुके हैं। बीते 2020 के चुनाव में सीट बंटवारे से ऐन पहले तक मुकेश सहनी महागठबंधन के साथ थे, लेकिन राजद की ओर से उचित संख्या में सीटें नहीं मिलने के कारण वह एनडीए के साथ मैदान में उतरे थे। उनकी पार्टी 11 सीटों पर चुनाव लड़ी। उनके चार विधायक जीते भी थे लेकिन, कुछ समय में उनकी पार्टी में बगावत हो गई और वीआईपी के चारों विधायक भाजपा में चले गए। फिर मुकेश सहनी महागठबंधन में लौट आए।

तेजस्वी के साथ मुकेश सहनी

तेजस्वी यादव ने मुकेश सहनी को हमेशा अपने साथ जगह दी है। लेकिन, उनकी 40 सीटों की डिमांड किसी तरीके से वह पूरा नहीं कर सकते। वैसे भी महागठबंधन के भीतर कांग्रेस और वाम दलों ने तेजस्वी पर सीटों के बंटवारे के लिए भारी दबाव बना रखा है। कांग्रेस पार्टी कम से कम 60 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। वहीं भाकपा माले 30 सीटें मांग रही है। अन्य वाम दल और झामुमो को भी महागठबंधन में समायोजित करना है। ऐसे में तेजस्वी वीआईपी को लेकर असमंजस में हैं। तेजस्वी वीआईपी को 20 सीटें देना चाहते हैं। मुकेश सहनी दिल पर हाथ धरे बैठे हैं। उनके पास मोलभाव जैसा कोई रास्ता नहीं बचा है।

मांझी ने दी खामियाजा भुगतने की धमकी, कुशवाहा भी असंतुष्ट

एनडीए में सीट बंटवारा चिराग पासवान लाभ का सौदा साबित हुआ है, क्योंकि उनकी पार्टी को उम्मीद से ज्यादा सीटें मिली हैं। वहीं मांझी और कुशवाहा को कम सीटें

मिलने के कारण उनकी सार्वजनिक नाराजगी ने गठबंधन की एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जीतन राम मांझी ने पहले तो 'संतुष्टि' जताई, लेकिन तुरंत बाद उनके तेवर तीखे हो गए। उन्होंने कहा कि आलाकमान ने हमारी अहमियत कम आंकी है। इसका खामियाजा एडीए को भुगतना पड़ेगा। वह अपनी पार्टी 'हम' को राज्यस्तरीय दल का दर्जा दिलाने के लिए 15 सीटें मांग रहे थे, लेकिन 6 मिल पाईं। उपेंद्र कुशवाहा ने अपनी नाराजगी एक्स पर जाहिर की है। उन्होंने लिखा कि, इस निर्णय से हजारों-लाखों लोगों का मन दुखी होगा। आज कई घरों में खाना नहीं बना होगा। किसी भी निर्णय के पीछे कुछ परिस्थितियां बाहर से नहीं दिखतीं। कुशवाहा ने 24 सीटों की मांग की थी, लेकिन हाथ में 6 ही आईं।

काराकाट से ज्योति सिंह निर्दलीय लड़ेंगी, सास-बहू के बीच होगी जंग

भोजपुरी स्टार पवन सिंह की मां जिस काराकाट सीट से चुनाव लड़ेंगी, उसी सीट से पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने भी निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। पवन और ज्योति के बीच पारिवारिक रिश्ते में आई तकरार के बाद अब यहां सास और बहू के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। बता दें, पवन सिंह के भाजपा में शामिल होने के बाद से चर्चा थी कि वे चुनाव लड़ेंगे, लेकिन उनकी पत्नी के सार्वजनिक रूप से उनके विरोध के दबाव में पवन सिंह को अपना फैसला वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। अब वे चुनाव नहीं लड़ेंगे। उनकी मां काराकाट सीट से चुनावी मैदान में उतरेंगी।

पूरे देश में जारी किया गया अलर्ट

प्रदर्शन के बाद नेपाल की जेल में बंद 540 भारतीय नागरिक हो गए फरार

नई दिल्ली/काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में हुए Gen-Z प्रदर्शन में लगातार नई जानकारी सामने आ रही है। अब जेल प्रबंधन ने दावा किया है कि नेपाल की विभिन्न जेलों में सजा काट रहे लगभग 540 भारतीय कैदी जेन-जी विरोध प्रदर्शनों के बाद से फरार हैं। नेपाल में सरकार विरोधी Gen-Z विरोध प्रदर्शनों के दूसरे दिन देश की विभिन्न जेलों से 13 हजार से अधिक कैदी फरार हो गए थे। नेपाल सरकार के सरकारी आंकड़ों से पता चला है कि विभिन्न अपराधों में दोषी ठहराए गए कम से कम 5,हजार नेपाली नागरिक अब भी फरार हैं, इसके अलावा 540 भारतीय नागरिक और अन्य देशों के 108 कैदी भी फरार हैं।

नोटिस जारी

नेपाल की सरकार ने देश के विभिन्न हिस्सों में स्थित जेलों से फरार कैदियों पर नजर रखने के लिए पूरे देश में अलर्ट जारी किया है। देश के गृह मंत्रालय ने भी फरार कैदियों को अपनी-अपनी जेलों में रिपोर्ट करने के लिए नोटिस जारी किया है।

संदिग्ध पाकिस्तानी महिला गिरफ्तार

अधिकारियों ने 28 सितंबर को बताया था कि सुरक्षा बलों के साथ झड़प में दस कैदियों की मौत हो गई, जबकि जेन-जी विरोध प्रदर्शनों के दौरान नेपाल की विभिन्न जेलों से भागे 7,735 कैदी या तो वापस लौट आए हैं या उन्हें उनके संबंधित हिरासत केंद्रों में वापस लाया गया है। जेन जी ग्रुप के बैनर तले हजारों युवाओं ने आठ और नौ सितंबर को काठमांडू में सरकार विरोधी प्रदर्शन किए थे, जिसमें 76 लोग मारे गए थे। एक संदिग्ध पाकिस्तानी महिला को त्रिपुरा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। गिरफ्तार महिला ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह पाकिस्तान के शेखपुरा जिले की रहने वाली है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि 50 वर्षीय महिला को शनिवार रात दक्षिणी त्रिपुरा के सबरूम रेलवे स्टेशन से राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने गिरफ्तार किया, जब वह कंचनजंगा एक्सप्रेस से वहां पहुंची थी। अधिकारी ने बताया कि महिला ने खुलासा किया कि वह 12 साल पहले मादक पदार्थों की तस्करी के इरादे से पासपोर्ट लेकर नेपाल गई थी और 2014 में उसे नेपाल पुलिस ने एक किलो ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया था और 15 साल कैद की सजा सुनाई थी। उसे काठमांडू जेल में रखा गया था और पिछले महीने नेपाल में अशांति के दौरान वह जेल से भाग गई।

बांग्लादेश में 14 बड़े सैन्य अफसर गिरफ्तार एक जनरल फरार, सेना में मचा बवाल

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की सेना में भूचाल मच गया है। बांग्लादेश आर्मी के कम से कम 14 बड़े सैन्य अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (ICT) के 8 अक्टूबर के आदेश के बाद सेना ने अपने ही 14 वर्तमान अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया है। ये गिरफ्तारी ढाका कैंटोनमेंट स्थित लॉग एरिया में की गई है। अधिकारियों को फिलहाल अस्थायी तौर पर रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक, आगे इन्हें सिविल पुलिस के हवाले किया जा सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेशी सेना के भीतर इस कार्रवाई को लेकर गहरा असंतोष देखा जा रहा है, खासकर अधिकारी वर्ग में। इंटरनेशनल क्राइम्स

ट्रिब्यूनल के आदेशों का सहारा

रिपोर्ट के मुताबिक, एक सैन्य अधिकारी, जिनका नाम मेजर जनरल कबीर अहमद है, वो गिरफ्तारी के डर से फरार हो गये हैं। उनकी तलाश की जा रही है। बांग्लादेशी सेना ने कल शाम एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी है, जिसमें सेना ने अपनी स्थिति साफ करने की कोशिश की थी। सेना के प्रवक्ताओं ने कहा कि यह कदम ट्रिब्यूनल के कानूनी आदेशों के मुताबिक है और संस्थान की अनुशासनात्मक परंपरा को बनाए रखने के लिए जरूरी है।

ट्रिब्यूनल ने पिछले साल अक्टूबर में 24 सेवारत अधिकारियों के खिलाफ आदेश जारी किया था और रिपोर्ट में कहा गया है कि बाकी अधिकारियों की भी जल्द गिरफ्तारी हो सकती है। ट्रिब्यूनल ने कथित युद्ध अपराधों और अन्य गंभीर आरोपों की जांच के लिए इन अधिकारियों की गिरफ्तारी के आदेश दिए थे।

रूस, अमेरिका और यूरोप...सैटेलाइट भरोसेमंद नहीं, भारत ने टाला टोल प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी

सुरक्षा और निजता के कारण फिलहाल सैटेलाइट टोल सिस्टम शुरू करने वाले प्लान को टाल दिया गया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार नहीं चाहती कि वह इसके लिए अमेरिकी जीपीएस, रूस के ग्लोनास और यूरोप के गैलीलियो या चीन के बाइडू जैसे किसी भी विदेशी सैटेलाइट का इस्तेमाल करे।

देश में सैटेलाइट टोल शुरू करने वाला प्रोजेक्ट रुका नहीं है, बस कुछ महीने या साल के लिए आगे बढ़ाया गया है। सरकार चाहती है कि इसके लिए केवल स्वदेशी भारतीय सैटलाइट नाविक का ही इस्तेमाल किया जाए। लेकिन नाविक अभी इस सिस्टम को शुरू करने के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं है। जिसके लिए संबंधित तमाम मंत्रालयों की टेक्निकल टीम काम पर लग गई है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक गंभीर चुनौती गाड़ियों की रियल लोकेशन के मामले में मानी जा रही है। रोड पर चल रही किसी भी गाड़ी की सैटलाइट से रियल टाइम लोकेशन ली जा सकती है। इससे गाड़ी में सवार लोगों की निजता को गंभीर खतरा माना जा रहा है।

बैरियर फ्री टोल सिस्टम पर काम शुरू

सूत्रों का कहना है कि तब तक देश में इस जीएनएसएस आधारित टोल सिस्टम को शुरू करने की कवायद को फिलहाल टाल दिया गया है। इस बीच इसके लिए संबंधित मंत्रालयों और एक्सपर्ट के साथ मिलकर काम किया जा रहा है कि कैसे इस सिस्टम को सुरक्षित तरीके से शुरू किया जाए। वरना, इसके लिए दिल्ली-जयपुर हाइवे पर ट्रायल भी किया गया था। इस बीच एनएचएआई देश में अब बैरियर फ्री मल्टी-लेन फ्री-फ्लो टोल सिस्टम शुरू करने पर काम कर रही है। जिसके लिए देश का सबसे पहला गुजरात के चोर्यासी के लिए टेंडर भी कर दिया गया है। जिसमें गाड़ियों से बिना रोके टोल टैक्स वसूला जाएगा।

मेट्रो एंकर हुवावे, जेडटीई, हिकविजन और दाहुआ टेक्नोलॉजी जैसी कंपनियां नहीं बेच सकेंगी डिवाइस

ट्रंप का चीन पर डबल अटैक: जासूसी के संदेह में चीनी कैमरे और स्मार्टवॉच की अमेरिका में एंट्री पर बैन

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका की फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन (एफसीसी) ने एक बड़ा कदम उठाते हुए चीनी इलेक्ट्रॉनिक सामान को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। एफसीसी का कहना है कि इन गैजेट्स का इस्तेमाल अमेरिकियों की जासूसी करने के लिए किया जा रहा है। इनका इस्तेमाल देश की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने के लिए हो सकता है। इस वजह से कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स से लाखों चीनी प्रोडक्ट्स की लिस्टिंग हटा दी गई है। इसमें सिक्योरिटी कैमरे और स्मार्टवॉच जैसे सामान शामिल हैं, जो हुवावे और हिकविजन जैसी कंपनियों के हैं। अमेरिका का मानना है कि ये डिवाइसेज डेटा चुराने का काम कर सकती हैं।

इसलिए एफसीसी और दूसरी अमेरिकी एजेंसियां चीनी टेक्नोलॉजी कंपनियों पर कड़ी नजर रख रही है। इसके पहले अमेरिका ने चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लागू करने का ऐलान कर दिया है। जो 1 नवंबर से लागू हो जाएगा। वहीं इसके पहले 28 अक्टूबर से चीनी जासूसी कैमरे और वॉच पर प्रतिबंध लागू हो जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, एफसीसी के चेयरमैन ब्रेंडन कार ने बताया कि हुवावे, जेडटीई, हिकविजन और दाहुआ टेक्नोलॉजी जैसी कंपनियों के प्रोडक्ट्स को अमेरिका में बैन किया गया है। इन कंपनियों के सिक्योरिटी कैमरे, स्मार्टवॉच और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक सामान ऑनलाइन स्टोर्स से हटा दिए गए हैं। एफसीसी का कहना है कि ये प्रोडक्ट्स या तो अमेरिका की प्रतिबंधित सूची में हैं या इनके पास एफसीसी का अप्रूवल नहीं है। इन गैजेट्स से जासूसी का खतरा हो सकता है और ये अमेरिका के कम्युनिकेशन नेटवर्क को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

28 अक्टूर से सख्त नियम होगा लागू

एफसीसी ने पहले भी हुवावे, जेडटीई, चाइना मोबाइल और चाइना टेलीकॉम जैसी कंपनियों को अपनी कवर्ड लिस्ट में डाला था। इस सूची में शामिल कंपनियों के सामान को अमेरिका में आयात करने या बेचने की अनुमति नहीं है। अब एफसीसी ने 28 अक्टूबर से एक और सख्त नियम लागू करने की योजना बनाई है, जिसमें ऐसी डिवाइसेज पर भी रोक लगेगी, जिनमें इन कंपनियों के पार्ट्स का इस्तेमाल हुआ हो। इसके अलावा, एफसीसी ने 9 चीनी कंपनियों की जांच शुरू की है और सात चीनी सरकारी लैब्स की मान्यता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की है।

साजिश रच रहा चीन..तिब्बती एक्सपर्ट की हिदायत

तिब्बत के बहाने एलएसी के पास चीन बना रहा रेललाइन

नई दिल्ली, एजेंसी

चीन पहले से ही अरुणाचल सेक्टर में सीमा के उस पार निर्माण कार्यों में बहुत ज्यादा सक्रिय है। अब इसने एलएसी के पश्चिमी सेक्टर में भी ऐसी रेलवे लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया है, जिसे रणनीतिक तौर पर बहुत ही संवेदनशील माना जा रहा है।

तिब्बती एक्सपर्ट ने भारत को आगाह किया है कि वह वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के उस पार चीन की हरकतों को लेकर फौरन सचेत हो जाए। कहने के लिए तो शी जिनपिंग की सरकार ने अपने नियंत्रण वाले तिब्बत की राजधानी ल्हासा तक रेलवे लाइन बिछाकर उसे रेलवे मैप पर लाने का अभियान शुरू किया है, लेकिन इसके भारत पर पड़ने वाले सैन्य और सुरक्षा प्रभावों को कतई नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चीन ने मध्य तिब्बत में कनेक्टिविटी बढ़ाने के नाम पर जिस नए स्ट्रैटजिक रेलवे लाइन में हाथ लगाया है, उससे भारत से सटे सीमावर्ती इलाकों में उसके सैनिकों की आवाजाही और अन्य सैन्य संसाधनों को ढोने की उसकी क्षमता में अप्रत्याशित इजाफा होने वाला है। यह प्रोजेक्ट 5 साल में पूरा होने के आसार हैं। तिब्बत के पठार में वह अगले दशक में वह कुल 5,000 किलोमीटर का रेल नेटवर्क बनाने वाला है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564